मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, बुधवार, 4 नवंबर 2026

संवत 2083, कार्तिक कृष्ण 8 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 60 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक



4 आखिर कौन बो रहा है बच्चों के मन में हिंसा के बीज?

महिलाएं नहीं पुरुष होते हैं ज्यादा असुरक्षित : राधिका आप्टे 6

हजारीबाग में सुबह-सुबह एनआईए का छापा, दो रिश्तेदारों के घर खंगाले



संवाददाता

हजारीबाग : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को हजारीबाग में दो अलग-अलग टीमों के साथ छापेमारी की। एजेंसी की टीम ने शहर के हरहुरू इलाके में शहीद सुभाष बारला मार्ग स्थित बाबा पथ में दो रिश्तेदारों के घरों की तलाशी ली। ये मकान उदय साव और प्रदीप साव के बताए जा रहे हैं। दोनों मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं।

एनआईए की दो टीमें बुधवार तड़के करीब 4 बजे दोनों ठिकानों पर पहुंची थीं। एक टीम ने उदय साव और प्रदीप साव के घर पर तलाशी शुरू की, जबकि दूसरी टीम मकानों के पीछे स्थित मैदान की ओर से एक अन्य रिश्तेदार के घर पहुंची। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। अधिकारियों के साथ हथियारबंद सुरक्षाकर्मी भी मौजूद थे। तलाशी के दौरान एनआईए की टीम एक व्यक्ति को अपने साथ ले गई है। हालांकि, उसे गिरफ्तार किया गया है या पूछताछ के लिए ले जाया गया है, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। एक मकान में तलाशी पूरी होने के बाद टीम वहां से निकल गई, जबकि दूसरे घर में दस्तावेजों और अन्य कागजात की जांच जारी रही।

मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फंडिंग के संभावित कनेक्शन की जांच

ठक्ब की यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फंडिंग से जुड़े संभावित कनेक्शन की जांच के सिलसिले में की जा रही है। बताया जा रहा है कि संबंधित परिवार के सदस्य पहले ट्रांसपोर्टिंग कारोबार से जुड़े रहे हैं। उनके पूर्वजों के बिहार में कत्था कारोबार से जुड़े होने की जानकारी भी सामने आई है।

दो से अधिक बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून अब प्रासंगिक नहीं: सुप्रीम कोर्ट



नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि दो से अधिक बच्चे होने पर दंड देने वाले कानूनों की प्रासंगिकता खत्म हो गई है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि भारत में प्रजनन दर लगातार घट रही है। ऐसे में इन कानूनों का अब कोई औचित्य नहीं रह गया है। इनकी फिर से समीक्षा की जरूरत है। जस्टिस पी.एस। नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने महाराष्ट्र के काकोडा ग्राम पंचायत की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव की अयोग्यता को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की, जिन्हें तीसरा बच्चा होने के कारण चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित किया गया था।

अपनी टिप्पणी में कोर्ट ने कहा, ह्लपिछले दो दशकों में भारत की जनसांख्यिकीय स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। पिछले कुछ दशकों में आए जनसांख्यिकीय बदलावों के कारण जनसंख्या विस्फोट का डर अब नहीं रहा। इसका प्रमाण यह है कि प्रजनन दर 3 से घटकर 1।9 पर आ गई है। इसलिए, दो से अधिक बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराने वाले कानून, मौजूदा हालात में शायद अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं।ह्व

इसलिए, अदालत ने महाराष्ट्र के एक कानून के तहत पूर्व सरपंच मंगला भीमराव के खिलाफ चल रही कार्यवाही पर रोक लगा दी।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने 2003 के जावेद बनाम हरियाणा सरकार मामले में दिए गए फैसले को आगे समीक्षा के बड़ी बेंच के पास भेज दिया। उस फैसले में तीन जजों की पीठ ने हरियाणा पंचायती राज अधिनियम, 1994 के उस प्रावधान को सही ठहराया था, जिसके तहत दो से अधिक जीवित बच्चे होने पर व्यक्ति पंचायत चुनाव नहीं लड़ सकता था।

कोर्ट ने बताया कि जब 'जावेद' मामले में फैसला आया था, तब भारत की कुल प्रजनन दर लगभग तीन बच्चे प्रति महिला थी, जिससे जनसंख्या नियंत्रण एक अहम नीतिगत मुद्दा बन गया था। हालांकि, तब से जनसांख्यिकीय संकेतकों में काफी बदलाव आया है और पूरे देश में प्रजनन दर लगातार घट रही है।

झारखंड स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष पद पर जीते अभय कुमार चतुर्वेदी



रांची : झारखंड राज्य बार काउंसिल के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष के उम्मीदवारों एवं बार काउंसिल ऑफ इंडिया (इउक) के प्रतिनिधि के लिए आज हुए चुनाव का परिणाम आ गया है। झारखंड स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष पद पर अभय कुमार चतुर्वेदी ने जीत दर्ज की। वहीं उपाध्यक्ष पद पर रिंकू भगत एवं बीसीआइ इउकके प्रतिनिधि के लिए प्रशांत कुमार सिंह जीते हैं।

बुधवार को सुबह 11:15 बजे से मतदान झारखंड स्टेट बर काउंसिल के डोरंडा स्थित कार्यालय में हुआ था। काउंसिल के अध्यक्ष पद के लिए। अभय कुमार चतुर्वेदी और निलेश कुमार चुनाव मैदान में थे। वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए चार उम्मीदवारों में रिंकू भगत, अनिल कुमार महतो, मधुलता रानी और मृत्युंजय कुमार श्रीवास्तव शामिल थे। जबकि बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआइ) के प्रतिनिधि सदस्य पद के लिए प्रशांत कुमार सिंह, संजय कुमार विद्रोही और मनोज कुमार-दो चुनाव मैदान में थे।

बर्थडे पार्टी के बहाने तीन नाबालिग लड़कियों को ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म, दो आरोपी गिरफ्तार

खूंटी: जिले में मानवता को शर्मसार करने वाली एक घृणित घटना सामने आई है, जहां जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने के नाम पर घर से बुलाई गई तीन नाबालिग लड़कियों के साथ अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में महिला थाना में पीड़िताओं के परिजनों के आवेदन पर 3 नवंबर को कांड संख्या 18/26 दर्ज किया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी समेत दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस घटना में कुल तीन नाबालिग पीड़िताएं शामिल हैं। इनमें दो लड़कियां मुरहू थाना क्षेत्र की सगी बहनें हैं, जिनकी उम्र 17-17 वर्ष है; जबकि तीसरी पीड़िता 15 वर्ष की है और वह सोयको थाना क्षेत्र की रहने वाली है।

प्राथमिकी के अनुसार, सोयको थाना क्षेत्र की रहने वाली एक नाबालिग लड़की ने सोमवार को मुरहू की दोनों सगी बहनों को फोन कर अपने एक परिचित की जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने के लिए बुलाया था। आमंत्रण मिलने पर दोनों बहनें पार्टी में शामिल होने के लिए राजी हो गईं। इसके बाद सभी लड़कियां आरोपियों के साथ बाइक और स्कूटी से निकल पड़ीं।

आरोप है कि तीनों लड़कियां मुरहू थाना क्षेत्र से होते हुए कदमा, रनकिनबुरु और मारंगहादा क्षेत्र के एक गांव पहुंचीं। पार्टी के पश्चात जब युवक तीनों बच्चियों को छोड़ने के लिए वापस खूंटी की ओर ला रहे थे, उसी क्रम में रास्ते में इस जघन्य घटना को अंजाम दिया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए महिला थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भारतीय न्याय संहिता (इठर)-2023 की धारा 65, 61, 126(2), 3(5) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 4/6 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने छापेमारी कर दो आरोपियों–राहुल उर्फ गोपाल मुंडा (18 वर्ष) और मनसा टूटी उर्फ टाना (18 वर्ष), दोनों निवासी मारंगहादा थाना क्षेत्र–को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने तीनों पीड़ित नाबालिगों का मंगलवार को खूंटी सदर अस्पताल में चिकित्सकीय परीक्षण (मेडिकल जांच) करा लिया है। बुधवार को पीड़िताओं का बयान माननीय न्यायालय और बाल कल्याण समिति (उहउ) के समक्ष दर्ज कराए जाने की संभावना है। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर बारीकी से अनुसंधान कर रही है तथा फरार चल रहे अन्य दोनों नामजद आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी जारी है।

आयुष्मान खुराना को मिली धमकी भरी ऑडियो क्लिप, लॉरेंस गैंग के नाम पर मांगे करोड़ों रुपए

मुंबई : बॉलीवुड में इन दिनों सितारों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ती नजर आ रही है। अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग की घटना के बाद फिल्मी हस्तियों को धमकी मिलने की खबरें सामने आ रही हैं। इसी बीच अभिनेता आयुष्मान खुराना को भी धमकी भरा ऑडियो क्लिप मिला है। सूत्रों के मुताबिक, ऑडियो भेजने वाले शख्स ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया है और अभिनेता से करोड़ों रुपए की मांग की है। मामले की जानकारी सामने आने के बाद पुलिस इसकी जांच में जुट गई है। सूत्रों के अनुसार, आयुष्मान खुराना को एक ऑडियो क्लिप भेजा गया है, जिसमें एक शख्स कथित तौर पर खुद को लॉरेंस गैंग से जुड़ा हुआ बता रहा है। ऑडियो में शख्स ने अभिनेता से पैसों की मांग की है।



ऑडियो में शख्स ने अपनी जो पहचान बताई है, पुलिस उसकी जांच कर रही है। इसके लिए पुलिस रिकॉर्ड में मौजूद संबंधित आरोपी के पुराने ऑडियो सैंपल से नई क्लिप का मिलान कराया जा रहा है। दरअसल, बॉलीवुड में धमकी और वसूली से जुड़े मामलों की चर्चा टाइगर श्रॉफ पर हुई फायरिंग के बाद तेज हो गई है। 18 अक्टूबर को मुंबई के जुहू इलाके में टाइगर श्रॉफ की कार पर बाइक सवार हमलावरों ने गोलियां चलाई थीं। घटना के वक्त अभिनेता फुटबॉल खेलने के बाद वहां से निकल रहे थे। इस हमले में टाइगर सुरक्षित बच गए थे, जबकि उनके ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति घायल हुए थे। मुंबई पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और बाद में इसे क्राइम ब्रांच को सौंप दिया था।

जांच के दौरान पुलिस को इस मामले में एक बड़े नेटवर्क की भूमिका की आशंका हुई। 27 अक्टूबर को पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट (मकोका) की धाराएं भी जोड़ दी थीं। 2 नवंबर तक इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 13 बताई गई। इस मामले की जांच के दौरान एक और अहम जानकारी सामने आई थी। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि टाइगर श्रॉफ को निशाना बनाने से पहले कुछ अन्य बॉलीवुड अभिनेताओं की भी रेकी की गई थी। इनमें सलमान खान, आमिर खान, अक्षय कुमार और अमिताभ बच्चन के नाम सामने आए थे। इसी बीच अभिनेता तुषार कपूर को भी धमकी भरा ऑडियो मिलने का मामला सामने आया।

अमेरिका की जनता का संदेश साफ, उन्हें नहीं चाहिए ऐसा नेता जो लोगों को बांटे: ओबामा

वाशिंगटन : अमेरिकी मध्यावधि चुनाव 2026 में रिपब्लिकन पार्टी को जोर का झटका लगा है। कई अहम सीटों पर वो हार गई है। नतीजे सामने आने के बाद पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा कि ये जनता लोगों को बांटने की कोशिश करने वाली सियासत को नकार रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ओबामा ने कहा, ₹अमेरिकी जनता ने एक स्पष्ट संदेश दे दिया है। वो ये कि वो ऐसी राजनीति चाहते हैं जो लोगों को बांटने के बजाय उन्हें एकजुट करे, और ऐसे नेता चाहते हैं जो उनके सामने आने वाली चुनौतियों का ठोस समाधान प्रस्तुत कर सके। उन्होंने जीत का कारण साझा मूल्यों और एकजुटता से आगे बढ़ने की सोच को माना। आगे लिखा, ₹ये नतीजे इसलिए संभव हो पाए क्योंकि देश के हर हिस्से से बेहतरीन उम्मीदवार आगे आए। यहां तक कि उन इलाकों से भी, जहां जीत की उम्मीद बहुत कम मानी जाती थी। वे अलग-अलग पृष्ठभूमि से आए थे और उनके राजनीतिक विचार भी अलग-अलग थे, लेकिन वे कुछ साझा मूल्यों, जनसेवा में विश्वास और अपने जिलों व राज्यों के लोगों को सबसे ऊपर रखने की प्रतिबद्धता से एकजुट थे। ओबामा ने मध्यावधि चुनाव प्रचार में जुटे रहे कार्यकताओं और वॉलंटियर्स का भी आभार जताया। उन्होंने कहा, ₹हम उन हजारों चुनाव कार्यकताओं और दोनों पार्टियों के स्वयंसेवकों के भी आभारी हैं, जिन्होंने चुनाव को सुचारू रूप से संपन्न कराने में मदद की और हमारे लोकतंत्र के सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में से एक को बखूबी निभाया।

पूर्व राष्ट्रपति ने अपने बयान में लोगों को भविष्य के लिए तैयार रहने की बात कही। उन्होंने कहा, ₹मौजूदा प्रशासन का कार्यकाल अभी दो साल और है। ऐसे में हमारा काम और अहम हो जाता है। अब पार्टी और सहयोगियों को अपनी आस्तीनें चढ़ाकर काम करना होगा। जहां भी हमारे पास बदलाव लाने का अधिकार है, वहां बदलाव लाना होगा ताकि आगे और नुकसान न होने दें और भविष्य के लिए तैयार हों।

ट्रंप की चुनावी हार के बाद कीमती धातुओं में जोरदार उछाल

पलक झपकते ही सोना 3,000 रुपए और चांदी 6,900 रुपए तक चढ़ी

नई दिल्ली : लगातार कई दिनों तक दबाव में रहने के बाद बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी देखने को मिली। अमेरिकी मिडटर्म चुनाव नतीजों, कमजोर डॉलर, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में नरमी और वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के चलते निवेशकों का रुझान एक बार फिर सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर बढ़ा, जिससे कीमती धातुओं में तेज खरीदारी देखने को मिली। घरेलू बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना एक ही दिन में 2।21 प्रतिशत यानी 3,088 रुपए चढ़कर 1,42,540 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया। वहीं दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी में और अधिक तेजी देखने को मिली तथा इसका भाव 3।84 प्रतिशत यानी 6,902 रुपए बढ़कर 1,86,600 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गया। वहीं खबर लिखे जाने तक, एमसीएक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना 2 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी के साथ 1,42,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता दिखा, तो वहीं



दिसंबर वायदा चांदी 3।71 प्रतिशत की उछाल के साथ 1,86,373 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती नजर आई।

बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी के कमजोर प्रदर्शन के बाद निवेशकों ने सुरक्षित निवेश की ओर रुख किया। चुनाव परिणामों के मुताबिक, डेमोक्रेटिक पार्टी ने सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में बढ़त हासिल की, जिसके बाद वैश्विक बाजारों में नई राजनीतिक संभावनाओं को लेकर चर्चा तेज हो गई।

विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी नतीजों के बाद डॉलर में कमजोरी और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में गिरावट ने सोने को अतिरिक्त समर्थन दिया। आमतौर पर कमजोर डॉलर और कम बॉन्ड यील्ड सोने जैसी गैर-ब्याज देने वाली संपत्तियों को आकर्षक बनाते हैं।

पिछले कारोबारी सत्र में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आने से महंगाई को लेकर चिंताएं कुछ कम हुई हैं, जिससे निवेशकों को उम्मीद जगी है कि केंद्रीय बैंकों के पास मौद्रिक नीति में कुछ लचीलापन दिखाने की गुंजाइश बन सकती है। सोना ऐसे वातावरण में बेहतर प्रदर्शन करता है।

वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो कॉमेक्स में सोना 2।32 प्रतिशत चढ़कर 4,031।90 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती नजर आई, जबकि चांदी 4।10 प्रतिशत चढ़कर 51।795 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

बाजार की नजर अभी वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर भी बनी हुई है। रूस ने यूक्रेन और अमेरिका के साथ त्रिपक्षीय शांति वार्ता के लिए सहमति जताई है, जबकि ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। ऐसे माहौल में निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

तकनीकी विश्लेषण के मुताबिक, एमसीएक्स गोल्ड के लिए 1।41 लाख के आसपास पहला महत्वपूर्ण प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) है, इसके बाद अगला रेजिस्टेंस जोन 1,43,000 से 1,43,700 रुपए पर है। नीचे की तरफ 1,40,000 रुपए के स्तर पर तत्काल सपोर्ट बना हुआ है, जबकि अगला सपोर्ट बैंड 1,37,500 रुपए से 1,38,300 रुपए पर है।

एक्सपर्ट का कहना है कि रिकवरी के बावजूद, मोमेंटम इंडिकेटर्स अभी भी काफी कमजोर हैं। आरएसआई लगभग 35 के आसपास है, जबकि एमएसीडी हिस्टोग्राम नेगेटिव बना हुआ है और लगातार बढ़ रहा है। इससे पता चलता है कि तकनीकी संरचना में अभी तक सुधार के कोई ठोस संकेत नहीं दिखे हैं।

वहीं चांदी में 1,86,000 रुपए से 1,88,000 रुपए के स्तर पर तत्काल रेजिस्टेंस है। अगर कीमतें इस बैंड से ऊपर टिक जाती हैं, तो यह 1,94,000 रुपए से 1,96,000 रुपए के अगले रेजिस्टेंस जोन की ओर बढ़ने का रास्ता खोल सकता है। नीचे की तरफ, 1,78,000 रुपए से 1,80,000 रुपए का स्तर तत्काल सपोर्ट का काम करता है, और इसके बाद अगला सपोर्ट जोन 1,70,000 रुपए से 1,72,000 रुपए पर है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की भविष्य की ब्याज दर नीति, डॉलर इंडेक्स और वैश्विक राजनीतिक माहौल आने वाले दिनों में सोने-चांदी की दिशा तय करेंगे।

समाचार सार

झारखंड में महिलाएं हो रहीं शोषण की शिकार : आदित्य साहू

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने झारखंड में महिलाओं के साथ लगातार सामने आ रही दुष्कर्म और शोषण की घटनाओं को लेकर हेमंत सरकार पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समर्थन से चल रही झामुमो नेतृत्व वाली हेमंत सोरेन सरकार आखिर झारखंड का क्या हाल करके छोड़ना चाहती है? राज्य में लगातार माताओं-बहनों के साथ अनाचार, दुष्कर्म और शोषण की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन सरकार अपनी जवाबदेही तय करने एवं झारखंड की माताओं-बहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की बजाय दिल्ली में राजनीति और प्रदर्शन में व्यस्त है।

उन्होंने कहा कि राज्य में छिपे भेड़िये लगातार महिलाओं की अस्मिता के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। पहले गम्हरिया थाने की घटना ने पुलिस तंत्र को कठघरे में खड़ा किया। अब गोड्डा में मिशन से जुड़े फादर पर उनलोगों के ही बुलावे पर रोजी-रोटी की खातिर नौकरी के लिए निकली एक महिला के साथ लंबे समय तक यौन शोषण, गर्भ ठहरने पर गर्भपात की दवा देने, तबीयत बिगड़ने पर इलाज के खर्च के नाम पर धमकी देने और ब्लैकमेलिंग के गंभीर आरोप लगे हैं। इस मामले में सुंदरपहाड़ी थाने में केस नंबर 33/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज होने की जानकारी सामने आई है।

श्री साहू ने कहा कि झारखंड में आखिर महिलाओं के लिए सुरक्षित स्थान कौन सा है? क्या अब न्याय मांगने के लिए थाने पहुंचना भी महिलाओं के लिए खतरे से खाली नहीं रहा? क्या नौकरी और रोजगार की तलाश में निकलने वाली गरीब और आदिवासी महिलाओं को शोषण का शिकार होना पड़ेगा? ये दोनों घटनाएं राज्य की महिला सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

लिम्का ने पेश किया पंजाब स्पेशल कैन संस्कृति और विरासत की दिखेगी झलक

रांचीः कोका-कोला इंडिया के लोकप्रिय पेय ब्रांड लिम्का ने पहली बार पंजाब स्पेशल कैन पेश किया है। सीमित संस्करण वाले इस कैन के डिजाइन में पंजाब की संस्कृति, विरासत और रंग-बिरंगी परंपराओं को दशार्या गया है। कंपनी की ह्यएक राज्य, एक कैनह्ल पहल के तहत इसे तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य अलग-अलग राज्यों की सांस्कृतिक पहचान को खास अंदाज में प्रस्तुत करना है। इसके लॉन्च के साथ अभिनेत्री अनन्या पांडे को लेकर इंस्टाग्राम पर उपभोक्ताओं की भागीदारी वाला अभियान भी शुरू किया गया है। इसमें कलाकारों और रचनाकारों को पंजाब की संस्कृति और प्रसिद्ध स्थानों से जुड़े अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। कोका-कोला इंडिया के वरिष्ठ निदेशक पंकज सिन्हा ने कहा कि इस पहल के जरिए पंजाब की विशिष्ट पहचान को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का प्रयास है। यह विशेष कैन पूरे पंजाब के बाजार में उपलब्ध कराया जा रहा है।

कलुवाडीह से तीन लोग हिरासत में

मुरी : मुरी थाना अन्तर्गत कलुवाडीह से तीन व्यक्ति के हिरासत में लिए जाने की चर्चा जोरों पर है। मामला आज सुबह फैली। चर्चा में प्रतिबंधित मांस पकड़े जाने की खबर हैं। पुलिस से मामले की पुष्टि में कोई जबाब नहीं मिला।

बरहेट में मतदाता सूची में गड़बड़ी पर भाजपा ने उठाए सवाल, उच्चस्तरीय जांच की मांग

रांची : भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सह विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के प्रदेश संयोजक राकेश प्रसाद ने साहिबगंज जिले के बरहेट में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान कथित अनियमितताओं पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि 31 अक्टूबर को विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों से मतदाता सूची की शुचिता, पारदर्शिता और निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हुए हैं।

राकेश प्रसाद ने बताया कि बरहेट में पुनरीक्षण के दौरान मिता देवी का नाम मतदाता सूची में फातिमा बीबी के रूप में दर्ज पाए जाने और उनके पिता के नाम की जगह नेजामुद्दीन मोमिन का नाम दर्ज होने की बात सामने आई है। इसके अलावा एक ही आधार संख्या पर दो अलग-अलग नामों से दस्तावेज तैयार किए जाने की शिकायत भी मिली है।

उन्होंने कहा कि यह सामान्य लिपिकीय त्रुटि नहीं, बल्कि मतदाता सूची की विश्वसनीयता से जुड़ा गंभीर मामला है। मतदाता सूची लोकतंत्र की बुनियाद है और इसमें किसी भी तरह की हेराफेरी या जानबूझकर नामों में बदलाव लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरा है। एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाना है, न कि अनियमितताओं को संरक्षण देना।

भाजपा नेता ने झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने संबंधित मतदाताओं के दस्तावेजों और आधार संख्या का सत्यापन करने के साथ मतदाता सूची में किए गए सभी संदिग्ध संशोधनों की जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

उन्होंने राज्य के अन्य क्षेत्रों में भी इस तरह की अनियमितताओं की आशंका को देखते हुए जांच कराने की मांग की। साथ ही कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि किसी पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से नहीं हटे और किसी अपात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो। निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाने चाहिए।

खेत में करंट लगने से 40 वर्षीय महिला की मौत, सोमवार से थी लापता



खूंटी : रनिया थाना क्षेत्र के बलंकेल और बंदापाड़ी गांव की सीमा पर स्थित सरना गड़ा के समीप खेत में करंट लगने से 40 वर्षीय महिला फूलमानी कंडुलना की मौत हो गई। मृतका बलंकेल बरटोली गांव की निवासी थी। मंगलवार को खेत में उसका शव मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना रनिया थाना प्रभारी श्यामल कुंभकार को दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। परिजनों के अनुसार, फूलमानी सोमवार को सुबह करीब 10 बजे घर से रनिया साप्ताहिक हाट जाने के लिए निकली थी। वह अपने साथ एक थैले में धान लेकर जा रही थी, जिसे हाट में बेचने की योजना थी। घटनास्थल पर शव के पास मिले थैले में धान भी बरामद हुआ है। शव की जांच के दौरान फूलमानी के बाएं हाथ के अंगूठे के बीच जलने का निशान और दाहिने कान से खून बहने के चिह्न पाए गए। आशंका जताई जा रही है कि खेत में हाथियों से बचाव या सिंचाई के लिए अवैध रूप से विद्युत तार बिछाया गया होगा, जिसकी चपेट में आने से उसकी मौत हुई। पुलिस ने मामले में सनहा दर्ज कर लिया है और घटना के कारणों की जांच कर रही है। घटना के बाद गांव में शोक का

चांडिल डैम को पर्यटन के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की तैयारी, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिए निर्देश

इको-टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा, बोटिंग और पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था होगी आधुनिक; स्थानीय युवाओं के लिए खुलेंगे रोजगार के अवसर

गुलाम शाहिद



रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बुधवार को परिजनों के साथ सरायकेला-खरसावां जिले के धातकीडीह जाने के क्रम में प्रसिद्ध चांडिल डैम का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने डैम की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण का आनंद लिया। साथ ही चांडिल डैम को झारखंड के प्रमुख पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करने की इच्छा जताई।

डैम परिसर के भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने : सरायकेला-खरसावां के उपायुक्त नीतीश कुमार सिंह के साथ इसके विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने चांडिल डैम के बहुआयामी विकास, पर्यटन सुविधाओं के विस्तार, जल प्रबंधन और चांडिल परियोजना के कार्यों में तेजी लाने को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके अलावा बिजली उत्पादन एवं संवर्धन की संभावनाओं पर भी कार्ययोजना तैयार करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि चांडिल डैम में इको-टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं। इसे बेहतर पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए पर्यटकों की सुरक्षा, बुनियादी सुविधाओं और नौकायन यानी बोटिंग की व्यवस्था को अधिक आधुनिक और व्यवस्थित बनाने की जरूरत है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित किए जाएं।

पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना होगा विकास : मुख्यमंत्री ने चांडिल डैम और आसपास के क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए दीर्घकालिक एवं पर्यावरण अनुकूल ब्लूप्रिंट तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरण को संरक्षित रखते हुए विकास की योजनाएं बनाई जानी चाहिए, ताकि चांडिल डैम को पर्यटन के मानचित्र पर नई पहचान मिल सके। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सह विधायक कल्पना सोरेन, विधायक सविता महतो, विधायक सोमेश चंद्र सोरेन, कोल्हान प्रमंडल के आयुक्त रविरंजन कुमार विक्रम, सरायकेला-खरसावां के उपायुक्त नीतीश कुमार सिंह, चांडिल के एसडीएम नितिन शिवम गुप्ता सहित जिला प्रशासन के वरीय अधिकारी और पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

त्योहारों से पहले खूंटी में खाद्य सुरक्षा विभाग का सघन जांच अभियान

मिठाई दुकानों और होटलों से लिए गए नमूने



संवाददाता

खूंटी : आगामी दीपावली एवं छठ महापर्व को देखते हुए आम लोगों को शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खूंटी जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सघन जांच एवं प्रवर्तन अभियान चलाया गया। उपायुक्त मो० जावेद हुसैन के निर्देश पर तथा मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. ललित रंजन पाठक एवं अभिहित अधिकारी डॉ. रजनी नीलम टोप्पो के पर्यवेक्षण में जिले के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा टीम ने डॉ. पवन कुमार एवं प्रगति सिंह के नेतृत्व में विभिन्न होटलों, रेस्टोरेंटों और मिठाई दुकानों की जांच की। इस दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई की व्यवस्था तथा खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन की जांच की गई। टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों से विधिक नमूने भी संग्रहित किए, जिन्हें गुणवत्ता एवं सुरक्षा की जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जाएगा। निरीक्षण के दौरान खाद्य कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा संबंधित नियमों का पालन करने का निर्देश दिया गया। साथ ही खाद्य विनिर्माण एवं पुनर्पैकेजिंग इकाइयों को अनिवार्य अनुज्ञप्ति अथवा पंजीकरण प्राप्त कर निर्धारित मानकों के अनुरूप कारोबार संचालित करने के प्रति जागरूक किया गया।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ने के साथ मिलावट की आशंका भी बढ़ जाती है। ऐसे में उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए जांच अभियान लगातार जारी रहेगा। विभाग द्वारा खाद्य विनिर्माण इकाइयों, पैकेजिंग प्रतिष्ठानों, होटल-रेस्टोरेंटों एवं मिठाई दुकानों की नियमित निगरानी की जाएगी। विभाग ने आम नागरिकों से भी खाद्य पदार्थ खरीदते समय उनकी पैकेजिंग, निर्माण एवं समाप्ति तिथि, स्वच्छता और आवश्यक लेबल संबंधी जानकारियों की जांच करने की अपील की है। वहीं खाद्य कारोबारियों को नियमों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है।

उर्दू को नजरअंदाज नहीं कर सकते, यह हिंदुस्तान की ऐतिहासिक भाषा है : विधानसभा अध्यक्ष

रांची में आयोजित जश्न-ए-उर्दू कार्यक्रम को लेकर विधानसभा अध्यक्ष ने जताई खुशी, आयोजकों को दी शुभकामनाएं

गुलाम शाहिद



रांची : झारखंड विधानसभा अध्यक्ष ने रांची में आयोजित होने वाले ह्यजश्न-ए-उर्दूह्ल कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि उर्दू जैसी ऐतिहासिक भाषा को जीवित रखने और झारखंड में इसके प्रचार-प्रसार के लिए कार्यक्रम आयोजित करना बेहद खुशी की बात है। उर्दू को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस भाषा की अपनी अलग पहचान और समृद्ध इतिहास है। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए इसे बेहतर और व्यापक स्तर पर आयोजित करने की अपील की। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि उर्दू भाषा ने लोगों के दिलों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारतीय समाज और संस्कृति में इसका विशेष स्थान है। सांस्कृतिक मंचों से लेकर फिल्म इंडस्ट्री, नाटक, उपन्यास और किताबों तक उर्दू का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। भाषा की खूबसूरती और उसकी अभिव्यक्ति ने इसे आम लोगों के बीच खास पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि उर्दू का इतिहास और उसकी सांस्कृतिक विरासत बेहद समृद्ध है। आज भी समाज के विभिन्न क्षेत्रों में इस भाषा का प्रभाव देखने को मिलता है। ऐसे में उर्दू की विरासत को संरक्षित करना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है।

विधानसभा अध्यक्ष ने ह्यजश्न-ए-उर्दूह्ल के आयोजन को सकारात्मक पहल बताते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम भाषा के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ उसकी साहित्यिक और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आयोजकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

मेलबॉर्न से जोहार: दीपोत्सव 2026 में छाया रहा झारखंड का लोकप्रिय आदिवासी नृत्य

कलाकारों ने ग्लेन आयरा टाउन हॉल में बिखेरी बिहार व झारखंड की सांस्कृतिक छटा

विक्टोरिया के सांसद डेविड साउथविक ने मंच पर कलाकारों के साथ ली सेल्फी

संवाददाता



रांची/मेलबॉर्न : ऑस्ट्रेलिया के मेलबॉर्न शहर स्थित ग्लेन आयरा टाउन हॉल में गत दिन (शनिवार) को झारखंडी संस्कृति की थाप गूंज उठी। बिहार-झारखंड सभा मेलबॉर्न-विक्टोरिया (बीजेएसएम-वीआइसी) द्वारा आयोजित दीपावली उत्सव ह्लदीपोत्सव 2026ह्ल में आठ कलाकारों के दल ने झारखंडी आदिवासी लोक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया।

नृत्य में रोहित कुमार, अनामिका कुमार, प्रिया, संदीप चटर्जी, अबीरा बनर्जी, रमेश प्रसाद, माधुरी और सुधांशु शेखर ने भाग लिया। एक ताल, एक लय में थिरकते कदमों ने सामूहिकता, प्रकृति और एकता का वह संदेश दिया जो झारखंड की आदिवासी परंपरा की आत्मा है। पूरा हॉल ह्लजोहारह्ल के अभिवादन और तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

प्रस्तुति के बाद विक्टोरिया संसद में कॉलफील्ड के सांसद और विपक्ष के उपनेता डेविड साउथविक ने मंच पर आकर कलाकारों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं।

यह प्रस्तुति 15 नवंबर को आने वाले झारखंड स्थापना दिवस से ठीक पहले हुई। गौरतलब है कि इस वर्ष झारखंड राज्य के गठन के 26 वर्ष पूरे हो रहे हैं।

दीपोत्सव 2026 की थीम थी घर से घर तक। कार्यक्रम की शुरूआत पूजा-अर्चना से हुई, जिसके बाद तीन घंटे तक बिहार -झारखंड के समुदाय के कलाकारों ने 21 सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इनमें गणेश वंदना, रामायण नृत्य नाटिका, राम दरबार झांकी, बच्चों द्वारा छठ गीत, कजरी और समदाउन सहित मिथिला के लोकगीत, भोजपुरी नृत्य और कथक के साथ भव्य समापन शामिल रहे।

इस अवसर पर बीजेएसएम - विक्टोरिया के अध्यक्ष राजीव लाल ने कहा, हमारे समुदाय में बिहार और झारखंड के हर कोने से परिवार जुड़े हैं। यह जरूरी था कि मंच पर झारखंड को भी उसका अपना खास पल मिले, और दर्शकों की प्रतिक्रिया ने दिखाया कि यह सबके लिए कितना खास था।

नृत्य दल के सदस्य रमेश प्रसाद ने कहा कि अपने घर से हजारों किलोमीटर दूर, अपने समुदाय के साथियों के साथ झारखंड का नृत्य प्रस्तुत करना गर्व का पल था। हम चाहते हैं कि यहां की नई पीढ़ी भी झारखंड की संस्कृति से जुड़ाव महसूस करे।

बीजेएसएम विक्टोरिया के बारे में : बिहार-झारखंड सभा मेलबर्न मेलबर्न और पूरे विक्टोरिया में बसे बिहार और झारखंड के लोगों को एक साथ जोड़ने वाली सामुदायिक संस्था है। सभा दीपावली और छठ समेत दोनों राज्यों के पर्व, भाषाएं और परंपराएं मनाती है, नए आए परिवारों को ऑस्ट्रेलिया में बसने और जुड़ने में मदद करती है, और बच्चों व युवाओं में अपनी विरासत के प्रति गर्व जगाती है।

अम्मापकना इंद मेला से लौट रहे लोगों के साथ छह अलग-अलग सड़क हादसे, सात घायल



तोरपा : प्रखंड के अम्मापकना में आयोजित पारंपरिक इंद मेला देखकर लौट रहे लोग मंगलवार को सड़क हादसों का शिकार हो गए। क्षेत्र में छह अलग-अलग स्थानों पर हुई बाइक दुर्घटनाओं में छह लोग घायल हो गए। वहीं, डोड़मा में हुई एक अन्य दुर्घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया। इस तरह कुल सात लोग सड़क दुर्घटनाओं में घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार, कोरकोटोली के पास बाइक दुर्घटना में मसीह तोपनो और रोशन तोपनो घायल हो गए। वहीं, बानो थाना क्षेत्र के जलड़ा निवासी निमरोध सुरीन भालूटोली के पास बाइक दुर्घटना में घायल हो गए। पाकुट पोकला निवासी बुदु तोपनो ओरमेंजा के पास दुर्घटना का शिकार हुए। इसके अलावा खटंगा निवासी मनोज लोहरा को अम्मापकना के पास एक बाइक सवार ने टक्कर मार दी। वहीं, लेटेर निवासी लेवेया तोपनो भी ओरमेंजा के पास बाइक की चपेट में आकर घायल हो गए। इधर, डोड़मा में एक ऑटो ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे नरेश कर घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। इनमें तीन लोगों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया।

महिलाओं को स्वाबलंबी बनाने की पहल सराहनीय : उर्मिला यादव



रांची : महिलाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वावलंबी बनाने की दिशा में नवजीवन महिला जागृति केंद्र, रांची की पहल सराहनीय है। सामाजिक नवनिर्माण के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना जरूरी है। उक्त बातें रांची नगर निगम (वार्ड 41) की पूर्व पार्षद उर्मिला यादव ने कही। श्रीमती यादव गैर-सरकारी स्वयंसेवी संस्था नवजीवन महिला जागृति केन्द्र के तत्वावधान में आयोजित प्रमाण पत्र वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहीं थीं। उन्होंने कहा कि संस्था के सौजन्य से एचईसी परिसर (सेक्टर-टू) में पिछले छह महीनों से चलाए जा रहे निःशुल्क/कौशल विकास प्रशिक्षण का लाभ महिलाओं को मिल रहा है। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं को श्रीमती यादव द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। संस्था की सचिव नम्रता भारती ने कहा कि महिलाओं को कॉस्मेटोलॉजी,फैशन डिजाइनिंग और मेहंदी आर्ट में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, ताकि प्रशिक्षित महिलाएं भविष्य में स्वरोजगार अपनाकर आर्थिक रूप से स्वावलंबी बन सकें। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं को हुनरमंद होना जरूरी है।

झारखंड में नशे के रूप में दवाओं के दुरुपयोग पर लगेगी लगाम

एआई पोर्टल से होगी खरीद-बिक्री की निगरानी

संवाददाता

रांची: झारखंड में नशे के रूप में इस्तेमाल होने वाली दवाओं के दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए राज्य सरकार ने तकनीक आधारित निगरानी व्यवस्था तैयार की है। अब दवाओं की खरीद-बिक्री और आपूर्ति की पूरी प्रक्रिया पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से नजर रखी जाएगी। इसके लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र , झारखंड और राज्य के औषधि नियंत्रण विभाग ने मिलकर एक विशेष पोर्टल विकसित किया है। पोर्टल का निर्माण पूरा हो चुका है और जल्द ही इसका शुभारंभ किया जाएगा।

दवा निर्माता से मरीज तक की गतिविधियों पर नजर : इस पोर्टल के जरिए दवाओं की सप्लाई चेन को ट्रैक किया जा सकेगा। दवा निमार्ता से लेकर थोक विक्रेता, मेडिकल स्टोर और मरीज तक दवाओं की खरीद-बिक्री का रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा। किस दवा की कितनी मात्रा, किस निमार्ता या विक्रेता ने किस दुकान को बेची और किस दुकान ने कितनी दवा खरीदी, इसकी जानकारी पोर्टल पर दर्ज होगी। इससे दवाओं की आवाजाही की वास्तविक समय



में निगरानी करना संभव होगा।

असामान्य खरीद-बिक्री होते ही मिलेगा अलर्ट

पोर्टल की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता अक आधारित अलर्ट सिस्टम है। यदि कोई मेडिकल स्टोर किसी विशेष दवा की असामान्य रूप से अधिक मात्रा में खरीदारी करता है या उसकी बिक्री में संदिग्ध गतिविधि सामने आती है, तो पोर्टल तत्काल अलर्ट जारी करेगा। इसके बाद औषधि नियंत्रण विभाग संबंधित दवा की खरीद-बिक्री और उसके इस्तेमाल के पैटर्न की जांच कर सकेगा। इससे उन दवाओं के दुरुपयोग की पहचान करने में मदद मिलेगी, जिनका इस्तेमाल नशे के लिए किया जाता है।

आम नागरिक भी दर्ज करा सकेंगे शिकायत : दवाओं के दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए आम लोगों को भी इस व्यवस्था से जोड़ा गया है। पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने का विकल्प उपलब्ध कराया गया है। यदि किसी व्यक्ति को अपने इलाके में नशे के लिए दवाओं के इस्तेमाल या उनकी संदिग्ध खरीद-बिक्री की जानकारी मिलती है, तो वह पोर्टल के माध्यम से विभाग को इसकी सूचना दे सकेगा। शिकायत मिलने के बाद विभाग मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई कर सकेगा।

दवाओं की गुणवत्ता और भ्रामक दावों पर भी नजर : इस पोर्टल के जरिए दवाओं की गुणवत्ता और उनके संबंध में किए जाने वाले भ्रामक दावों की भी निगरानी की जाएगी। यदि कोई व्यक्ति या संस्था किसी दवा के सेवन से गंभीर बीमारी ठीक होने का दावा करती है, तो ऐसे दावों की जांच की जा सकेगी। भ्रामक दावों की पुष्टि होने पर संबंधित व्यक्ति या संस्था के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

दूसरे राज्यों के लिए भी उपयोगी होगी यह व्यवस्था : औषधि नियंत्रण विभाग के मुताबिक, देश में विशेष रूप से दवाओं के दुरुपयोग की निगरानी के उद्देश्य से तैयार किया गया यह पहला पोर्टल है। इसे एनआईसी झारखंड ने औषधि नियंत्रण विभाग के सहयोग से विकसित किया है। इसकी एक और खासियत यह है कि दूसरे राज्यों के औषधि नियंत्रण विभाग और संबंधित एजेंसियां भी इसका इस्तेमाल कर सकेंगी। इससे दवाओं के दुरुपयोग की समस्या से निपटने में व्यापक स्तर पर मदद मिलने की उम्मीद है।

अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक : पोर्टल की कार्यप्रणाली और इसकी विशेषताओं को लेकर बुधवार को स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। उनके कार्यालय कक्ष में आयोजित इस बैठक में औषधि नियंत्रण विभाग के अधिकारियों ने पोर्टल की तकनीकी विशेषताओं, निगरानी व्यवस्था और उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पोर्टल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और यह शुभारंभ के लिए तैयार है।

बीआईटी मेसरा और आईआईटी कानपुर के बीच पांच साल का शैक्षणिक समझौता

संवाददाता



रांची : बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी), मेसरा और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर के बीच शैक्षणिक सहयोग और संयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए पांच वर्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौते को दोनों संस्थानों की आपसी सहमति से आगे भी बढ़ाया जा सकता है। समझौते पर बीआईटी मेसरा के कुलपति प्रो। इंद्रनील मन्ना और आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो। मणीन्द्र अग्रवाल ने हस्ताक्षर किए।

इस समझौते के तहत दोनों संस्थानों के विद्यार्थियों और शिक्षकों का आदान-प्रदान, शोधार्थियों का संयुक्त मार्गदर्शन, विशेष अनुसंधान सुविधाओं का साझा उपयोग और संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। साथ ही दोनों संस्थान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वित्तपोषण एजेंसियों के समक्ष संयुक्त अनुसंधान प्रस्ताव भी प्रस्तुत कर सकेंगे।

इस अवसर पर बीआईटी मेसरा के कुलपति प्रो। इंद्रनील मन्ना ने कहा कि आईआईटी कानपुर के साथ यह साझेदारी संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता, प्रभावशाली अनुसंधान और नवाचार आधारित विकास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे विद्यार्थियों और शिक्षकों को उन्नत अनुसंधान, विशेषज्ञता और राष्ट्रीय महत्व की चुनौतियों पर काम करने के नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में मजबूत शैक्षणिक संस्थानों, सक्षम शोधकताओं और कुशल कार्यबल की अहम भूमिका होगी। दोनों संस्थानों की क्षमताओं को एक साथ लाकर संयुक्त अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और कुशल स्नातकों को तैयार करने की दिशा में काम किया जाएगा।

समझौते में पांच प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया है। इनमें स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर अनुसंधान, विद्यार्थी विनिमय और प्रशिक्षण, संयुक्त रूप से स्नातकोत्तर एवं पीएचडी शोधार्थियों का मार्गदर्शन, शैक्षणिक कार्यक्रम तथा कर्मचारियों और अधिकारियों का प्रशिक्षण शामिल है। इसके तहत दोनों संस्थानों के शिक्षक स्नातक स्तर के तीसरे वर्ष और स्नातकोत्तर स्तर के पहले सेमेस्टर से विद्यार्थियों की शोध परियोजनाओं में संयुक्त रूप से मार्गदर्शन करेंगे। विद्यार्थियों को तकनीकी सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी और निर्धारित कार्यक्रमों के तहत दोनों संस्थानों में आने-जाने का अवसर मिलेगा।

स्नातकोत्तर और पीएचडी स्तर के शोधार्थियों को दोनों संस्थानों के दो या अधिक शिक्षकों द्वारा संयुक्त मार्गदर्शन दिया जाएगा। शोध के लिए वित्तीय सहायता, शैक्षणिक अंकों, संस्थान में अनिवार्य उपस्थिति और बौद्धिक संपदा अधिकारों से जुड़े विषयों पर आपसी सहमति से दिशा-निर्देश तय किए जाएंगे। इसमें शोध प्रकाशन और पेटेंट से संबंधित प्रावधान भी शामिल होंगे।

विद्यार्थियों के आदान-प्रदान के तहत ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन प्रशिक्षण, अल्पकालिक पाठ्यक्रम तथा कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। दोनों संस्थान मिलकर वैश्विक शैक्षणिक नेटवर्क पहल (ज्ञान), लघु अवधि के पाठ्यक्रम, संगोष्ठी, सम्मेलन और परामर्श संबंधी गतिविधियां भी संचालित कर सकेंगे। इसके अलावा अनुसंधान प्रयोगशालाओं का साझा उपयोग, शिक्षकों का आदान-प्रदान और उनके व्यावसायिक विकास के कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण की व्यवस्था होगी, जिसमें अन्य संस्थानों के प्रतिभागी भी शामिल हो सकेंगे।

इस समझौते से बीआईटी मेसरा के विद्यार्थियों को संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं में भाग लेने, आईआईटी कानपुर की विशेष प्रयोगशालाओं का दौरा करने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल होने का अवसर मिलेगा। पात्र स्नातकोत्तर एवं पीएचडी शोधार्थी दोनों संस्थानों के शिक्षकों के संयुक्त मार्गदर्शन में शोध कर सकेंगे। वहीं, बीआईटी मेसरा के शिक्षक भी संयुक्त अनुसंधान और व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों का लाभ उठा सकेंगे।

समझौते को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए दोनों संस्थानों में समन्वयक नियुक्त किए गए हैं। बीआईटी मेसरा की ओर से अनुसंधान, नवाचार एवं उद्यमिता के डीन डॉ। राजू पोद्दार समन्वयक और स्नातक अध्ययन के डीन डॉ। गौतम सारखेल संयुक्त समन्वयक होंगे। वहीं, आईआईटी कानपुर की ओर से शैक्षणिक मामलों के डीन प्रो। अशोक दे या अनुसंधान एवं विकास के डीन प्रो। जयंदरन गिरीधर राव में से कोई एक समन्वयक की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनके सहयोग के लिए एक सहायक डीन अथवा नामित अधिकारी संयुक्त समन्वयक के रूप में कार्य करेगा।

छठ घाटों पर तैयारी तेज, महापौर ने छह घाटों का किया निरीक्षण

सफाई, सुरक्षा, रोशनी और चेंजिंग रूम की व्यवस्था समय पर पूरी करने का निर्देश

संवाददाता

रांची : लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर रांची नगर निगम ने शहर के विभिन्न छठ घाटों पर तैयारियां तेज कर दी हैं। श्रद्धालुओं और व्रतियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंगलवार को महापौर रोशनी खलखो ने निगम के अधिकारियों के साथ शहर के छह प्रमुख छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बनस तालाब, नायक छठ तालाब, चंबोधा तालाब, स्वर्णरेखा छठ घाट, कमलू तालाब और पावर हाउस छठ तालाब की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही छठ पूजा समितियों के प्रतिनिधियों से बातचीत कर उनकी आवश्यकताओं और सुझावों की जानकारी ली।



निरीक्षण के दौरान महापौर ने घाटों पर चल रही सफाई व्यवस्था पर संतोष जताया और छठ महापर्व तक लगातार विशेष सफाई अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी घाटों और वहां तक पहुंचने वाले रास्तों की साफ-सफाई समय पर पूरी होनी चाहिए। व्रती महिलाओं की सुविधा और निजता को ध्यान में रखते हुए सभी घाटों पर पर्याप्त कपड़े बदलने के कमरे बनाने का निर्देश दिया। वहीं, गहरे पानी वाले क्षेत्रों में मजबूत घेराबंदी और अवरोधक लगाने को कहा, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना न हो।

महापौर ने घाटों और पहुंच मार्गों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने तथा छठ पूजा समितियों के साथ लगातार समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि श्रद्धालुओं की शिकायतों का त्वरित समाधान किया जाए और सभी तैयारियों की नियमित निगरानी हो। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व के दौरान व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान वार्ड 13 के पार्षद पवन तिर्की, वार्ड 14 की पार्षद अंजू देवी, वार्ड 46 की पार्षद आरती कुमारी, निगम के अधिकारी और विभिन्न छठ पूजा समितियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने रांची पूर्व, रांची पश्चिम और खूंटी प्रमंडल की योजनाओं की समीक्षा की



रांची: पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि आमजन को समय पर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जल जीवन मिशन के तहत संचालित योजनाओं में किसी भी तरह की लापरवाही, शिथिलता और अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी कार्यपालक अभियंताओं को दिसंबर 2026 तक सभी समूह आधारित एवं एकल ग्राम पेयजलापूर्ति योजनाओं को पूरा करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही शेष गांवों में हर घर जल योजना का सत्यापन जल्द पूरा करने को कहा गया है।

मंगलवार को विश्वा सभागार, रांची में मंत्री की अध्यक्षता में रांची पूर्व, रांची पश्चिम एवं खूंटी प्रमंडल में संचालित पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की योजनाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हुई। इसमें योजनाओं की प्रगति, लंबित कार्यों, निर्माण की गुणवत्ता और पेयजलापूर्ति व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की गई। मंत्री ने अधिकारियों के साथ संवेदकों से भी योजनावार जानकारी ली और भुगतान के बावजूद योजनाओं का सुचारु संचालन नहीं होने पर नाराजगी जताई।

एसवीएस योजनाओं की होगी जांच, 15 दिनों में रिपोर्ट : एकल ग्राम पेयजलापूर्ति योजनाओं की वास्तविक स्थिति जानने के लिए राज्य एवं जिला स्तर पर समितियां गठित करने का निर्देश दिया गया। संयुक्त समिति स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्य, गुणवत्ता, कार्यप्रगति और संचालन से जुड़ी समस्याओं की जांच करेगी। समिति को 15 दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट सौंपनी होगी।

काम नहीं करने वाले संवेदकों को कानूनी नोटिस : मंत्री ने बंद पड़ी योजनाओं और निर्धारित समय पर काम पूरा नहीं करने वाले संवेदकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया।

सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार में आपसी समन्वय जरूरी : अखिल

संवाददाता

रांची : अंतर माध्यम प्रचार समन्वय समिति (आईएमपीसीसी), रांची की बैठक मंगलवार को सेल के इस्पात भवन, डोरंडा स्थित रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर फॉर आयरन एंड स्टील में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों और स्वायत्त संस्थानों के प्रतिनिधियों ने अपनी उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और आगामी कार्यक्रमों की जानकारी साझा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य सरकारी योजनाओं के प्रभावी प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न संस्थानों के बीच समन्वय को मजबूत करना था।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए पीआईबी रांची-भुवनेश्वर के अपर महानिदेशक अखिल कुमार मिश्रा ने कहा कि किसी भी संगठन की मजबूती उसके बाहरी संपर्कों और प्रभावी संवाद पर निर्भर करती है। उन्होंने भगवद्गीता और महाभारत के विभिन्न प्रसंगों का उल्लेख करते हुए संवाद में संवेदनशीलता, संदेश की सही समझ और स्पष्ट अभिव्यक्ति के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पेशेवर संवाद में व्यंग्य और



कटाक्ष से बचना चाहिए। साथ ही गलत परिस्थितियों में मौन रहने के बजाय जिम्मेदारी के साथ अपनी बात रखनी चाहिए।

पीआईबी रांची के प्रमुख गौरव कुमार पुष्कर ने प्रचार-प्रसार की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए कहा कि सूचना के संकलन से लेकर विभिन्न माध्यमों से उसके प्रसार और जनप्रतिक्रिया तक प्रत्येक स्तर पर संस्थानों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है।

बैठक में आकाशवाणी के प्रभु शरण ने स्वास्थ्य, स्वच्छता और साइबर जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी दी। एमएसएमई-डीएफओ के निदेशक इंद्रजीत यादव ने उद्यमिता, रोजगार और महिला उद्यमियों से जुड़ी पहलों पर प्रकाश डाला। वहीं, यूआईडीएआई के राजर्षि डे ने आधार संतृप्ति और डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र, जबकि आईपीआरडी के संयुक्त निदेशक आनंद ने सूचना साझा करने के महत्व पर विचार रखे। दूरदर्शन के दिवाकर कुमार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बदलाव और जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी सफलता की कहानियों पर आधारित कवरेज की जानकारी दी। सीसीएल के मनीष तिवारी ने 228 करोड़ रुपये के कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) व्यय और ह्यसीसीएल के लाल एवं लाडलीह्न योजना की जानकारी दी। सीजीएचएस के डॉ। अरुण कुमार ने जमशेदपुर में नए भवन और स्वास्थ्य सुविधाओं, सेल के उज्ज्वल भास्कर ने इस्पात खपत एवं अनुसंधान तथा नाबार्ड के अमित कुमार ने कृषि, किसान उत्पादक संगठनों और ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं पर जानकारी साझा की। माई भारत की दिव्या सिंह ने युवा कार्यक्रमों की उपलब्धियां बताईं।

एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड के प्रभात राम, बिलाश मोहंती और अनम बुखारी ने खनन, कौशल प्रशिक्षण एवं सीएसआर गतिविधियों की जानकारी दी। आईसीएआर-निसा के डॉ। एम।एफ। अंसारी ने लाख उत्पादन, मधुमक्खी पालन और जैव अपघटनीय उत्पादों पर प्रकाश डाला। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के उपेंद्र श्रीवास्तव ने मौसम पूवार्नुमान और झारखंड में रडार स्थापना, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के विनोद कुमार ने हवाई अड्डों की सुविधाओं तथा सीआईएसएफ के शैलेंद्र कुमार ने सुरक्षा प्रशिक्षण की जानकारी दी।

इसके अलावा सीबीआई के सुधांशु शेखर ने भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों, सीजीएसटी के प्रशांत कुमार बख्शी ने जीएसटी सेवा केंद्रों, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अखौरी विश्वप्रिया ने महत्वपूर्ण खनिजों की खोज तथा बीआईएस जमशेदपुर के प्रभुनाथ यादव ने उत्पाद मानकीकरण और प्रमाणन से संबंधित गतिविधियों की जानकारी दी।

बैठक में सभी संस्थानों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। अंत में दूरदर्शन के दिवाकर कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मौके पर यूआईडीएआई के अब्दुल कलाम अंसारी, आकाशवाणी के जेवियर कंडूलना, सीबीसी रांची के रजा आलम सहित पीआईबी रांची के कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यालय उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, राँची
(जिला योजना)
(E-mail : ranchi.dpo@gmail.com)

वाहन निलामी हेतु निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिला योजना कार्यालय, राँची के निम्न निष्प्रयोजित वाहन के स्क्रैपिंग के निमित नीलामी हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र0	वाहन सं0	मॉडल	निर्माण वर्ष	न्यूनतम आरक्षित मूल्य
1	JH01AJ-8974	Tata Victa CX	2010	50000.00

1. नीलामीकर्त्ता का नाम– जिला योजना पदाधिकारी, राँची।
2. निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि– दिनांक 12.11.2026 को पूर्वाह्न 11.30 बजे।
3. निविदा खोलने का स्थान– जिला योजना कार्यालय, विकास भवन, राँची।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय – दिनांक 13/11/2026 को अपराह्न 03.00 बजे।

निविदा की शर्त्तें

1. निविदादाता मुहरबंद निविदा पर निविदादाता का नाम एवं पता अंकित करेंगे।
2. निविदा प्राप्ति की निर्धारित तिथि/समय के पश्चात् निविदा प्राप्त होने पर विचार नहीं किया जायेगा।
3. वाहन निलामी हेतु प्राप्त निविदा निविदा समिति के द्वारा निविदाकर्त्ता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष निर्धारित स्थान/समय पर खोला जायेगा।
4. उच्चतम् दर के निविदा करने वाले निविदादाता के नाम का प्रकाशन कार्यालय के सूचनापट्ट पर किया जायेगा।
5. सक्षम स्तर से निबंधित प्रतिष्ठान/फर्म ही निविदा प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे।
6. सफल निविदादाता के द्वारा वाहन प्राप्त करने के पश्चात् वाहन के स्क्रैपिंग का विडियो एवं वाहन का ईंजन नं0 तथा चेंचिस नं0 काटकर कार्यालय को उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।
7. प्राप्त निविदाओं को बिना कारण बतायें निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति के पास सुरक्षित रहेगा।

ह0/–
जिला योजना पदाधिकारी,राँची

PR 393207 District(26-27).D

असैनिक : शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, राँची
(जिला अस्पताल प्रबंधन, समिति, सदर अस्पताल, 6राँची।)
पुरूलिया रोड, राँची, पिन नं0 – 834001
E-mail ID – csofficeranchi@yahoo.com

पत्रांक : 5295 **पुर्न बन्दोबस्ती की सूचना** राँची, दिनांक 2.11.2026

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 26–27 एवं 27–28 के लिए एकरारनामा की तिथि से 12 (बारह) माह तक के लिए अधोहस्ताक्षरी के नियंत्रणाधीन सदर अस्पताल, राँची के परिसर में पड़ावों की बन्दोबस्ती खुली डाक के माध्यम से की जायेगी। कार्य संतोशजनक होने पर तीन माह या निविदा निस्तार होने तक अविध विस्तार कया जा सकता है। बन्दोबस्ती अधिकतम बोली गयी डाक के आधार पर होगी। इस बन्दोबस्ती में निबंधित संस्था/समिति/प्रतिष्ठान एवं अच्छे आचरण वाले व्यक्ति भाग ले सकते है। निविदा दिनांक 18.11.20262 के अपराह्न 4.00 बजे तक आमंत्रित किया जाता है तथा निविदा दिनांक 19.11.2026 के अपराह्न 3.00 बजे समिति के समक्ष उपस्थापित किया जाएगा। निविदा हाथो–हाथ या निबंधित डाक द्वारा कार्यालय में समर्पित कर सकते हैं। निविदा से संबंधित शर्ते एवं अन्य की जानकारी कार्यालय के वेबसाईट **website www.sadarhospitalranchi.org** पर दिनांक 4.11.2026 से देखा जा सकता है। निविदा से संबंधित किसी प्रकार का परिवर्तन/शुद्वि पत्र www.sadarhospital.org पर ही देखा जा सकता है।

PR no. 391923 (Health Med Edu Family Welfare)26-27

असैनिक शल्य चिकित्सक सह
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, राँची

PR 393194 (Health Med Edu and Family Welfare)26-27*D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

फिर हेलीकॉप्टर हादसा

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि उत्तराखंड में तीर्थयात्रियों को ला रहा एक हेलीकॉप्टर फिर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में बद्रीनाथ से देहरादून लौट रहे पांच तीर्थयात्रियों और पायलट समेत छह लोगों की मौत हो गई। जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के चलते पहाड़ी इलाकों में हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने पर यात्रियों के बचने की संभावना ना के बराबर होती है। यदि राहत व बचाव का कार्य शुरू भी किया जाए तो विषम परिस्थितियों में यह संभव नहीं हो पाता। लेकिन बेहद ऊंचे हिमालयी इलाकों में हेलीकॉप्टर सेवा को लेकर जो अतिरिक्त सुरक्षा सावधानी बरती जानी चाहिए, वह नजर नहीं आती। लगता हेलीकॉप्टर सेवा संचालित करने वाली कंपनियां यात्रियों की सुरक्षा के बजाय अपने मुनाफे को ही प्राथमिकता दे रही हैं। विडंबना यह है कि उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान ऐसे हादसे लगातार होते रहे हैं। बल्कि हादसों के बाद कुछ समय के लिये हेलीकॉप्टर सेवाओं को रोका भी गया था। लेकिन फिर ह्यवही ढाक के तीन पातह्न वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में इस हिमालयी राज्य में हेलीकाप्टर हादसे और इमरजेंसी की स्थिति में हेलीकॉप्टर उतारने की कई घटनाएं सामने आई हैं। जिसके चलते निजी कंपनियों द्वारा हवाई सेवा के परिचालन के तौर-तरीकों और तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस बाबत गत वर्ष जुलाई में संसद में नागरिक उड्डयन मंत्रालय की तरफ से आधिकारिक जानकारी संसद को दी गई थी। जिसमें बताया गया कि साल 2020 के बाद देश में बारह हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई थी। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि इनमें से सात दुर्घटनाएं सिर्फ उत्तराखंड में हुई थीं। इन हादसों में जिन तीस लोगों की मृत्यु हुई, उनमें से इक्कीस सिर्फ उत्तराखंड में हुए हादसों में मारे गए। जिससे उत्तराखंड में चारधाम यात्रा में हवाई सेवा देने वाली कंपनी की सुरक्षा नीति और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठने स्वाभाविक ही हैं। इन हादसों के बाद हुए व्यापक विरोध के चलते कुछ समय हेलीकॉप्टर सेवा का परिचालन स्थगित भी किया गया था। यहां सवाल उठना स्वाभाविक है कि इन हादसों के बाद भी नियामक संस्थाएं तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी की जवाबदेही क्यों तय नहीं कर रही हैं? सवाल यह भी है कि तीर्थ यात्रियों का जीवन खतरे में डालने वाली कंपनी के मालिक व अधिकारियों को क्या कभी जवाबदेह ठहराया गया? क्या कंपनी पर कभी जुमार्ना लगाया गया? बीच में सेवा को स्थगित किया था,तो क्या इस सेवा को फिर से शुरू करने के लिये सुरक्षा मानकों पर कंपनी खरी उतरी थी? यदि खरी उतरी थी तो यह नया हादसा कैसे हुआ? जाहिर है, इस हेलीकॉप्टर सेवा के दौरान सिर्फ कंपनी के मुनाफे को प्राथमिकता दी जा रही है। यह सर्वविदित है कि बद्रीनाथ व केदारनाथ आदि तीर्थ बेहद ऊंचाई पर स्थित हैं। जहां लगातार मौसम अचानक बदलता रहता है। मौसम खराब होने पर हवाई यात्रा जोखिमभरी होती है। जिसके चलते बदलते मौसम को लेकर भी सतर्कता बरतनी बेहद जरूरी है। वहीं दूसरी ओर तीर्थयात्रियों का हादसे का शिकार होना, श्रद्धालुओं की आस्था व विश्वास को भी प्रभावित करता है। उनके मन में कई तरह के संशय पैदा करता है। यह विडंबना है कि इस हिमालयी राज्य में धार्मिक पर्यटन में वृद्धि और हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने के बावजूद सुरक्षा के मानकों के प्रति सरकार ने गंभीरता नहीं दिखायी। यदि शुरूआती हादसों के बाद कंपनी का लाइसेंस स्थगित करके जवाबदेही तय की जाती तो शायद फिर इन दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होती। फिर सुरक्षित सफर के लिये हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी आवश्यक सावधानी का अनिवार्य रूप से पालन करती। यह निर्विवाद तथ्य है कि सुविधाओं के विस्तार के साथ इस संवेदनशील इलाके में सुरक्षा सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मौसम के तेवर में बदलाव और मामूली तकनीकी त्रुटि तीर्थयात्रियों के लिये जानलेवा ही साबित होती है। यह विडंबना ही कि सरकारें तीर्थस्थलों व पर्यटन स्थलों पर यात्रियों को लुभाने के लिये तमाम तरह के सब्जबाग तो दिखाती हैं लेकिन जोखिम मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्धता नजर नहीं आती।

क्रूर होती मासूमियत

सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में एक आठ साल का बच्चा, छह साल की बच्ची को क्रूरता के साथ पीटता-कुचलता नजर आया। पंचकूला के एक निजी स्कूल में घटी इस घटना ने हर संवेदनशील इंसान को झकझोरा है। स्कूली छात्रों में नोक-झोंक, वाद-विवाद, मतभेद-मनभेद हमेशा होते रहे हैं। ऐसे में टीचर या अभिभावक तक शिकायत करके बात खत्म हो जाती थी। लेकिन यह आठ साल का बच्चा, जिस क्रूरता से केजी की बच्ची को खत्म करने की कोशिश में लगा था, उसने हमारे नीति-नियंताओं, शिक्षकों, अभिभावकों और आम लोगों तक को स्तब्ध कर दिया। बच्चे ने इस हमले को सुनियोजित तरीके से, समय-जगह का चुनाव करके अंजाम दिया। वह समय चुना जब उसके अपराध को देखने वाला कोई नहीं था। विज्ञान का धन्यवाद, जिसने सीसीटीवी कैमरा हमें उपलब्ध कराया। अन्यथा कोई विश्वास नहीं करता कि इतना छोटा बच्चा एक पेशेवर अपराधी की तरह वारदात को अंजाम देगा। हो सकता था रिकॉर्डिंग न होने पर किसी निर्दोष के सिर इस हमले का आरोप लग जाता। निस्संदेह, इस हादसे में स्कूल प्रशासन की गंभीर चूक है। आखिर स्कूल से अंतिम बच्चे के बाहर निकलने तक सुरक्षा की जिम्मेदारी क्यों नहीं निभायी गई? अब स्कूल पढ़ने जा रही छोटी बच्चियों व बच्चों के मां-बाप इस घटना से भयाक्रांत हैं कि क्या उनका बच्चा स्कूल में सुरक्षित है? शिक्षकों को भी इस बात को गंभीरता से समझना होगा कि बदलते दौर में बच्चे पहले जैसे नहीं रहे। शिक्षक-अभिभावक से ज्यादा उन्हें आज जो सबसे ज्यादा ज्ञान बांट रहा है, वह मोबाइल है। जो तमाम तरह की हिंसा सिखाने का स्रोत बन गया है। इस घटना के बाद, इस आठ साल के छात्र की क्रूर व्यवहार की वजह उसका मोबाइल पर हिंसक फ्री-फायर गेम खेलना बताया जा रहा है। जो एक ऑनलाइन एक्शन व शूटिंग आधारित गेम है। जिसमें खिलाड़ी हथियार, गोलियों और अन्य घातक साधनों से प्रतिद्वंद्वी का मुकाबला करते हैं। हमें इस बात को स्वीकार करना होगा कि बच्चों को छोटी उम्र में मोबाइल उपलब्ध कराने के घातक परिणाम भी हो सकते हैं। आमतौर पर अभिभावक अपने काम करने या आराम करने के दौरान बच्चों को बहलाने के लिये मोबाइल पकड़ा देते हैं। लेकिन यह भूल जाते हैं कि इंटरनेट पर प्रसारित होने वाले हिंसक कार्यक्रम बच्चों को कितने गहरे तक प्रभावित करते हैं। बच्चे का दिमाग एक कोरी स्लेट की तरह से होता है। उस पर जैसी छाप बचपन में पड़ती है, वही भविष्य में उसकी सोच व जीवन की दिशा निर्धारित करती है। जिस पश्चिमी संस्कृति व जीवन शैली पर आधारित गेम्स का इन दिनों मोबाइल पर प्रचलन है, वे बच्चों को संवेदनहीन और निर्मम बना रहे हैं। बच्चों में लगातार अधैर्य, अशांति व आक्रामकता बढ़ रही है। बच्चों को ये लगता है कि व्यावहारिक जीवन में भी ऐसा ही व्यवहार सामान्य बात है। बच्चों के व्यवहार में आ रहा यह बदलाव एक घातक संकेत है। हमारे नीति-नियंताओं और शिक्षकों-अभिभावकों को सजग-सतर्क होकर इस संकट के समाधान की दिशा में गंभीर प्रयास करना होगा।

आखिर कौन बो रहा है बच्चों के मन में हिंसा के बीज?

जब पंचकूला के सेक्टर-20 स्थित राजकीय संस्कृति मॉडल स्कूल में हुई इस हृदयविदारक घटना का वीडियो देखा तो मन बेहद विचलित हो उठा। आरोपी छात्र बच्ची को एक खाली कक्षा में ले गया, वहां उसके बाल पकड़कर घसीटा, बेंच पर सिर पटका, लातें मारी तथा ईंट, पत्थर और गमले से उसके सिर तथा चेहरे पर बार-बार प्रहार किए।

योगेश कुमार गोयल

बचपन को मासूमियत, निश्छलता, संवेदनशीलता और खिलखिलाती मुस्कान का पर्याय माना जाता है। बच्चों के हाथों में खिलौने अच्छे लगते हैं, पत्थर और ईंटें नहीं, उनकी आंखों में सपने अच्छे लगते हैं, किसी के प्रति नफरत और हिंसा नहीं। लेकिन जब 8-10 वर्ष की उम्र के बच्चे भी किसी दूसरे मासूम की जान लेने पर उतारू हो जाएं, तब सवाल केवल एक बच्चे के असामान्य व्यवहार का नहीं रह जाता बल्कि पूरे सामाजिक परिवेश, पारिवारिक संस्कारों, शिक्षा व्यवस्था और हमारी बदलती जीवनशैली का हो जाता है। हरियाणा के पंचकूला में छह साल की विशेष आवश्यकता वाली बच्ची पर तीसरी कक्षा के आठ वर्षीय छात्र द्वारा किया गया बर्बर हमला इसी भयावह वास्तविकता का आईना है।

जब पंचकूला के सेक्टर-20 स्थित राजकीय संस्कृति मॉडल स्कूल में हुई इस हृदयविदारक घटना का वीडियो देखा तो मन बेहद विचलित हो उठा। आरोपी छात्र बच्ची को एक खाली कक्षा में ले गया, वहां उसके बाल पकड़कर घसीटा, बेंच पर सिर पटका, लातें मारी तथा ईंट, पत्थर और गमले से उसके सिर तथा चेहरे पर बार-बार प्रहार किए। करीब 96 सेकेंड तक चली इस हिंसा का दृश्य कक्षा में लगे सीसीटीवी कैमरे में दर्ज हुआ।

सबसे विचलित करने वाली बात यह है कि हमला करने वाला कोई वयस्क अपराधी नहीं बल्कि 8 वर्ष का बच्चा है। यह घटना जितनी पीड़ित बच्ची के लिए भयावह है, उतनी ही उस बच्चे के मानसिक और सामाजिक विकास को लेकर भी गंभीर चिंता पैदा करती है। आखिर इतनी छोटी उम्र में किसी बच्चे के भीतर इतनी आक्रामकता कहां से आती है? क्या उसने हिंसा को सामान्य व्यवहार मान लिया है? क्या वह किसी के दर्द और असहायता को महसूस करने की क्षमता खो रहा है? और सबसे बड़ा सवाल यह कि हमारे घरों, स्कूलों और समाज में ऐसा क्या बदल रहा है कि बचपन की भाषा में प्रेम और संवेदना की जगह हिंसा प्रवेश करती जा रही है?

उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज में जिस तरह बच्ची के असहाय हो जाने के बाद भी हमला जारी रहने की बात सामने आई है, वह सामान्य बाल-सुलभ झगड़े से कहीं अधिक गंभीर है।

इस घटना ने एक ऐसा प्रश्न हमारे सामने खड़ा किया है, जिससे मुंह मोड़ना अब संभव नहीं है कि आखिर बच्चों के मन में हिंसा के बीज कौन बो रहा है? बच्चों और किशोरों में हिंसक व्यवहार का कोई एक कारण नहीं होता। परिवार में हिंसा देखना, कठोर अथवा असंगत अनुशासन, भावनात्मक उपेक्षा, कमजोर अभिभावकीय निगरानी, साथियों का दबाव, सामाजिक अलगाव और व्यवहार पर नियंत्रण की कठिनाइयां इसके जोखिम को बढ़ा सकती हैं।

सबसे पहले सवाल परिवारों से है। आज अनेक घरों में बच्चों को महंगे खिलौने, स्मार्टफोन, टैबलेट और मनोरंजन के तमाम साधन उपलब्ध करा दिए जाते हैं लेकिन उनके साथ बैठकर बातचीत करने, उनकी भावनाएं समझने और उनके व्यवहार को दिशा देने का समय लगातार कम होता जा रहा है। माता-पिता अपनी व्यस्तताओं में उलझे हैं और कई बार बच्चे अपनी भावनात्मक उलझनों के साथ अकेले रह जाते हैं। घर में माता-पिता के झगड़े, गाली-गलौज, मारपीट, अपमानजनक भाषा और छोटी-छोटी बातों पर हिंसक प्रतिक्रिया देखने वाले बच्चों के मन पर इसका गहरा प्रभाव पड़ सकता है। बच्चा वही सीखता है जो अपने आसपास बार-बार देखता है। यदि घर में समस्या का समाधान संवाद से नहीं बल्कि चीखने, धमकाने और हाथ उठाने से होता है तो उसके लिए हिंसा धीरे-धीरे व्यवहार का स्वीकार्य तरीका बन सकती है।

दूसरा बड़ा सवाल डिजिटल दुनिया का है। मोबाइल फोन और इंटरनेट ने बच्चों के सामने ज्ञान और मनोरंजन के असंख्य अवसर खोले हैं लेकिन इसी दुनिया में हिंसक वीडियो, मारधाड़ वाले खेल, अपमानजनक सामग्री और आक्रामक व्यवहार को महिमामंडित करने वाले दृश्य भी मौजूद हैं। समस्या तब गंभीर हो जाती है, जब बच्चा बिना किसी निगरानी के घंटों ऐसी सामग्री देखता है और उसे यह समझाने वाला कोई नहीं होता कि पर्दे पर दिखाई जाने वाली हिंसा वास्तविक जीवन में किसी के शरीर, मन और अस्तित्व को कितनी गहरी चोट पहुंचाती है।

तीसरी चिंता बच्चों में संवेदनशीलता और सहानुभूति के विकास की है। आज हम बच्चों को प्रतियोगिता में आगे निकलना, जीतना और दूसरों से बेहतर प्रदर्शन करना तो सिखा रहे हैं लेकिन हार स्वीकार करना, दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना, कमजोर की मदद करना और क्रोध पर नियंत्रण रखना कितना सिखा रहे हैं? क्या स्कूलों में नैतिक शिक्षा केवल पाठ्य-पुस्तकों तक सिमट गई है? क्या बच्चों को यह समझाया जा रहा है कि किसी को चोट पहुंचाना बहादुरी नहीं, कमजोरी है? किसी दूसरे की पीड़ा देखकर मन में करुणा पैदा होना ही मानवीय संवेदना का आधार है। यदि यही संवेदना विकसित नहीं होगी तो शिक्षा की बड़ी-बड़ी डिग्रियां भी सभ्य समाज की गारंटी नहीं बन सकतीं।

यहां स्कूलों की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। पंचकूला की घटना ने सीसीटीवी कैमरों की मौजूदगी और वास्तविक निगरानी के बीच के अंतर को उजागर किया है। कैमरे लगे होना सुरक्षा नहीं है, उनकी सतत निगरानी, समय पर हस्तक्षेप और जवाबदेही ही सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। सवाल है कि एक छह साल की बच्ची स्कूल परिसर में एक अन्य छात्र के साथ ऐसी स्थिति में कैसे पहुंच गई, जहां उस पर लगातार हमला होता रहा और किसी शिक्षक या कर्मचारी को समय रहते इसकी जानकारी नहीं मिली? यदि स्कूल में शिक्षकों की कमी थी, एक शिक्षक को कई कक्षाओं की जिम्मेदारी संभालनी पड़ रही थी अथवा ड्यूटी व्यवस्था में कोई खामी थी तो यह भी जांच का विषय है। यह पहली घटना नहीं है, जब स्कूलों में बच्चों के बीच हिंसा ने पूरे देश को झकझोरा हो। वर्ष 2017 में गुरुग्राम के रेयान इंटरनेशनल स्कूल में सात वर्षीय प्रद्युम्न ठाकुर की हत्या, 2018 में दिल्ली के एक सरकारी स्कूल में चाकूबाजी, 2019 में तमिलनाडु के कोडईकनाल में क्रिकेट विवाद के बाद छात्र की हत्या, 2021 में छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में छात्र की चाकू मारकर हत्या, 2025 में अहमदाबाद में छात्र की हत्या और 2026 में सूरत में स्कूल परिसर में चाकूबाजी जैसी घटनाएं अलग-अलग समय पर सामने आ चुकी हैं। इन सभी मामलों की परिस्थितियां अलग हैं लेकिन एक बात समान है कि स्कूल, जिन्हें बच्चों के लिए सबसे सुरक्षित स्थान होना चाहिए, वहां भी हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। अब समय आ गया है कि सरकार और शिक्षा विभाग स्कूलों की सुरक्षा को केवल औपचारिक निरीक्षण और कागजी दिशा-निर्देशों तक सीमित न रखें। प्रत्येक स्कूल में पर्याप्त शिक्षक, प्रशिक्षित काउंसलर, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए प्रशिक्षित सहयोगी कर्मचारी, संवेदनशील स्थानों पर सतत निगरानी और शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की व्यवस्था होनी चाहिए। प्रत्येक बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों और प्रशासन की जवाबदेही तय होनी चाहिए। अभिभावकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। बच्चों के व्यवहार में अचानक आक्रामकता, दूसरों को चोट पहुंचाने की प्रवृत्ति, क्रोध पर नियंत्रण न रहना, पश्चाताप का अभाव, जानवरों अथवा कमजोर बच्चों के प्रति क्रूरता जैसे संकेतों को सामान्य शरारत समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बच्चों को दंडित करने के बजाय उनकी भावनाओं को समझना, उन्हें अपनी बात कहने का अवसर देना और प्रेम के साथ स्पष्ट अनुशासन सिखाना जरूरी है। खेलकूद, रचनात्मक गतिविधियां, सामूहिक सहभागिता और सामाजिक सेवा जैसी गतिविधियां भी उनमें सहयोग, धैर्य और सहानुभूति विकसित कर सकती हैं।

पंचकूला की घटना हमें एक कठोर सच्चाई से रूबरू कराती है कि बच्चों का भविष्य केवल अच्छे स्कूल, महंगी शिक्षा, आधुनिक तकनीक और बेहतर सुविधाओं से सुरक्षित नहीं हो सकता। उसके लिए अच्छे संस्कार, भावनात्मक सुरक्षा, मानवीय संवेदना और जिम्मेदार अभिभावक भी उतने ही आवश्यक हैं। जिस समाज में बच्चे दूसरों का दर्द महसूस करना भूलने लगें, वहां विकास के तमाम दावे खोखले साबित होने लगते हैं।

जांच से संरक्षण और जांच एजेंसियों की स्वायत्तता के बीच संवैधानिक संतुलन

हालांकि, वर्ष 2018 में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में धारा 17ए जोड़ी गई। इसके तहत किसी लोकसेवक द्वारा अपने आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन में की गई संस्तुति अथवा निर्णय से संबंधित कथित अपराध की जांच या पूछताछ शुरू करने से पहले सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति आवश्यक कर दी गई।

अभिषेक शुक्ल

विनीत नारायण से तेजाराम तक का सफर बताता है कि ईमानदार प्रशासनिक निर्णयों को संरक्षण देना जितना जरूरी है, भ्रष्टाचार की जांच को निर्बाध रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। धारा 17ए पर सर्वोच्च न्यायालय की ताजा व्याख्या ने इसी संवैधानिक बहस को नई दिशा दी है। कल्पना कीजिए कि एक सरकारी अधिकारी किसी जनहितकारी योजना के क्रियान्वयन, किसी कर्मचारी की पदोन्नति अथवा किसी सार्वजनिक परियोजना के संबंध में निर्णय लेता है। निर्णय लेने के बाद उस पर भ्रष्टाचार का आरोप लग जाता है। यदि प्रत्येक प्रशासनिक निर्णय के बाद अधिकारी को आपराधिक जांच का भय सताने लगे तो वह कठिन और महत्वपूर्ण फैसले लेने से बच सकता है। प्रशासन में निर्णयहीनता पैदा हो सकती है। तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। यदि किसी अधिकारी को केवल अपने सरकारी पद के कारण जांच से पहले विशेष अनुमति का कवच मिल जाए तो भ्रष्टाचार के विरुद्ध कानून की प्रभावशीलता प्रभावित हो सकती है।

भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था के सामने यही दोहरी चुनौती है- ईमानदार अधिकारियों को अनावश्यक जांच और उत्पीड़न से बचाना तथा भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करना। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए इसी चुनौती के बीच खड़ी है। सर्वोच्च न्यायालय ने 16 अक्टूबर 2026 को तेजाराम बनाम राजस्थान राज्य में इस प्रावधान की व्याख्या करते हुए स्पष्ट किया कि प्रशासनिक निर्णयों को संरक्षण देने वाली यह व्यवस्था रिश्वतखोरी जैसे स्वतंत्र आपराधिक कृत्यों के लिए ढाल नहीं बन सकती।

इस बहस की जड़ें लगभग तीन दशक पुरानी हैं। वर्ष 1997 में विनीत नारायण बनाम भारत संघ के ऐतिहासिक निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय ने भ्रष्टाचार के मामलों की जांच में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की स्वतंत्रता और निष्पक्षता को महत्वपूर्ण माना था। जैन हवाला प्रकरण की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने उस व्यवस्था को समाप्त किया, जिसके तहत कुछ वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के विरुद्ध जांच शुरू करने से पहले सरकार की अनुमति आवश्यक थी। यह व्यवस्था 'सिंगल डायरेक्टिव' के नाम से जानी जाती थी।

इस निर्णय का व्यापक संदेश था कि भ्रष्टाचार की जांच में किसी अधिकारी का पद उसे विशेष छूट नहीं दे सकता। इसके बाद भी विधायी स्तर पर पूर्व अनुमति की व्यवस्था लौटती रही। वर्ष 2003 में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम में धारा 6ए जोड़ी गई। इसके तहत संयुक्त सचिव और उससे ऊपर के स्तर के अधिकारियों के विरुद्ध कुछ मामलों में जांच से पहले केंद्र सरकार की स्वीकृति आवश्यक कर दी गई। वर्ष 2014 में सुब्रमण्यम स्वामी बनाम केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो मामले में सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ ने इस प्रावधान को अनुच्छेद 14 के प्रतिकूल मानते हुए असंवैधानिक घोषित कर दिया। न्यायालय ने माना कि भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच में अधिकारियों के पद के आधार पर अलग-अलग व्यवहार नहीं किया जा सकता।

हालांकि, वर्ष 2018 में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में धारा 17ए जोड़ी गई। इसके तहत किसी लोकसेवक द्वारा अपने आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन में की गई संस्तुति अथवा निर्णय से संबंधित कथित अपराध की जांच या पूछताछ शुरू करने से पहले सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति आवश्यक कर दी गई। इसके पीछे तर्क था कि अधिकारियों को दुर्भावनापूर्ण शिकायतों और अनावश्यक जांच के भय से मुक्त रखा जाए, ताकि वे स्वतंत्र होकर प्रशासनिक निर्णय ले सकें। लेकिन क्या यह प्रावधान जांच एजेंसियों की स्वतंत्रता को सीमित करता है? क्या सरकार की पूर्व अनुमति की अनिवार्यता भ्रष्टाचार के मामलों में जांच शुरू होने से पहले ही एक अवरोध खड़ा कर सकती है? यही प्रश्न जनवरी 2026 में सर्वोच्च न्यायालय के सामने पहुंचा। सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन बनाम भारत संघ मामले में 13 जनवरी 2026 को न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन के बीच मतभेद के कारण विभाजित निर्णय आया। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने धारा 17ए को असंवैधानिक मानते हुए निरस्त किए जाने योग्य बताया। दूसरी ओर, न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने इसे सीमित अर्थ में बनाए रखने की राय दी और सरकार की अनुमति से पहले लोकपाल अथवा लोकायुक्त जैसी स्वतंत्र संस्था द्वारा परीक्षण की व्यवस्था पर बल दिया। दोनों न्यायाधीशों के अलग-अलग मत के कारण इस संवैधानिक प्रश्न को आगे विचार के लिए बड़ी पीठ के समक्ष भेजे जाने की प्रक्रिया निर्धारित हुई। इस प्रकार धारा 17ए की संवैधानिक वैधता पर अंतिम निर्णय का प्रश्न अभी अलग से विचाराधीन है। इसी पृष्ठभूमि में तेजाराम बनाम राजस्थान राज्य का निर्णय महत्वपूर्ण हो जाता है। इस मामले में राजस्थान पुलिस के एक कांस्टेबल पर आरोप था कि उसने पुलिस अधीक्षक के नाम पर डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। आरोपी की ओर से दलील दी गई कि धारा 17ए के तहत पूर्व अनुमति के बिना जांच शुरू नहीं की जा सकती थी।

सर्वोच्च न्यायालय ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि धारा 17ए का लाभ पाने के लिए केवल लोकसेवक होना और उसके विरुद्ध भ्रष्टाचार का आरोप होना पर्याप्त नहीं है। कथित अपराध का संबंध उस लोकसेवक द्वारा अपने आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन में की गई किसी संस्तुति अथवा निर्णय से होना चाहिए।

न्यायालय के सामने मूल प्रश्न यह था कि क्या रिश्वत की कथित मांग किसी आधिकारिक निर्णय या संस्तुति से जुड़ी हुई थी? न्यायालय ने पाया कि डेढ़ लाख रुपये की कथित मांग एक स्वतंत्र आपराधिक कृत्य थी, जिसका किसी प्रशासनिक निर्णय अथवा आधिकारिक संस्तुति से संबंध नहीं था। इसलिए धारा 17ए के तहत पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं थी। यहां कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू समझना जरूरी है। धारा 17ए का पहला परंतु ऐसी स्थिति में पूर्व अनुमति की आवश्यकता समाप्त करता है, जिसमें कोई व्यक्ति स्वयं अथवा किसी अन्य के लिए अनुचित लाभ स्वीकार करते या स्वीकार करने का प्रयास करते हुए मौके पर गिरफ्तार किया जाता है।

हरिद्वार के कनखल स्थित दक्षेश्वर महादेव मंदिर से जुड़ा है माता सती का इतिहास

उत्तराखंड के हरिद्वार से करीब 4 किमी दूर कनखल में दक्षेश्वर महादेव मंदिर है। इस मंदिर को दक्ष प्रजापति मंदिर भी कहा जाता है। यह पवित्र स्थल श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक जिस स्थान पर दक्षेश्वर महादेव मंदिर है, उस स्थान पर देवी सती ने अग्निदाह करके अपने प्राणों को त्याग दिया था। भगवान शिव ने प्रलंयकारी तांडव किया था। वहीं सावन के महीने में और महाशिवरात्रि के मौके मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ होती है। इस दौरान भक्त पूजा-अर्चना और महादेव के दर्शन के लिए दूर-दूर से आते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दक्षेश्वर महादेव मंदिर से



जुड़े रोचक तथ्यों के बारे में बताने जा रहे हैं।

दक्षेश्वर महादेव मंदिर की पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के मुताबिक देवी सती के पिता राजा दक्ष ने कनखल में एक विशाल यज्ञ का आयोजन किया। इस यज्ञ में सभी देवी-देवताओं को बुलाया गया था। लेकिन राजा दक्ष ने माता सती और भगवान शिव को निमंत्रण नहीं दिया। माता सती ने भोलेनाथ से इस यज्ञ में जाने की इच्छा जताई, लेकिन भगवान शिव ने उनको मना कर दिया। जिस पर माता सती ने पिता के यज्ञ में जाने की जिद करने लगीं, तो भगवान शिव ने उनको यज्ञ में जाने की अनुमति दे दी।

जब मां सती यज्ञ स्थल पर पहुंची, तो राजा दक्ष ने महादेव का घोर अपमान किया। देवी सती अपने पति भगवान शिव का अपमान सहन नहीं कर सकीं और उन्होंने उसी यज्ञ कुंड में कूदकर जान दे दी और अपने प्राण त्याग किए। देवी सती के के आत्मदाह की घटना का जब भगवान शिव को पता चली, तो उनको इतना क्रोध आया कि वह प्रलयंकारी तांडव करने लगे। भगवान शिव ने राजा दक्ष का सिर काटने के लिए वीरभद्र को भेजा।इसके बाद राजा दक्ष ने माता सती और उनके साथ उचित व्यवहार नहीं किया था। वीरभद्र द्वारा सिर काटे जाने के बाद अन्य देवताओं के अनुरोध पर भगवान शिव ने राजा दक्ष के धड़ पर बकरे का सिर लगाकर उनको फिर से जीवित कर दिया। इसके बाद राजा दक्ष ने अपनी भूल के लिए महादेव से क्षमा मांगी।

मंदिर में स्थित है यज्ञ कुंड

आज भी दक्षेश्वर महादेव मंदिर परिसर में यज्ञ कुंड मौजूद है। जिसमें मां सती ने क्रोधित होकर अपने प्राण त्यागे थे। भारी संख्या में भक्त इस कुंड के दर्शन करने आते हैं। इस मंदिर में एक शिवलिंग भी विराजमान है, जिसकी विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। आपकी जानकारी के मुताबिक दक्षेश्वर महादेव मंदिर के ठीक बगल से गंगा नदी बहती है। यहां पर स्थित घाट को दक्ष घाट भी कहा जाता है। मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना करने से पहले भी भक्त इस घाट पर स्नान करते हैं।

जानें कब बना था मंदिर

बताया जाता है कि इस मंदिर का निर्माण 1810 में रानी धनकौर ने करवाया था। इसके बाद साल 1962 में इस मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया था।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

विधि-व्यवस्था जनसुरक्षा स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी ड्रोन एवं सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी

- सुरक्षित छठ घाटों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश

संवाददाता



साहिबगंज : समाहरणालय सभागार में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में आगामी दीपावली, काली पूजा एवं छठ महापर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान पर्वों के दौरान विधि-व्यवस्था संधारण सुरक्षा व्यवस्था यातायात प्रबंधन, अग्निशमन स्वास्थ्य सुविधाओं एवं छठ घाटों पर आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि सभी पर्वों को शांति, आपसी भाईचारे, सामाजिक सद्भाव एवं सुरक्षा के साथ संपन्न कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों व अंचल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लाइसेंस प्राप्त पूजा समितियों की सूची अद्यतन रखने तथा समिति के सदस्यों के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पूजा पंडाल में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, विद्युत सुरक्षा, अग्निशमन उपकरण स्वयंसेवकों की तैनाती एवं यातायात नियंत्रण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जबकि उपायुक्त ने संवेदनशील अतिसंवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने और नियमित निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा आवश्यकतानुसार ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी की जाएगी। साथ ही पूजा पंडालों में सीसीटीवी कैमरे एवं अग्नि सुरक्षा से संबंधित आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अप्रिय स्थिति की आशंका को गंभीरता से लिया जाए तथा जिला एवं पुलिस प्रशासन आपसी समन्वय के साथ तत्पर रहे।काली पूजा के दौरान साहिबगंज नगर क्षेत्र में निकलने वाले मां काली के जुलूस को लेकर विशेष दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने पूजा समितियों को जुलूस के दौरान पर्याप्त स्वयंसेवकों, रस्सी एवं प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। वहीं संबंधित अधिकारियों को जुलूस मार्ग की साफ-सफाई, पर्याप्त रोशनी सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया ।ताकि श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

दीपावली के दौरान संभावित अग्निकांड एवं अन्य दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग को एंबुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करने, बर्न वार्ड में चिकित्सकों की रोस्टर के अनुसार प्रतिनियुक्ति करने तथा चिकित्सकीय टीम को अलर्ट मोड में रखने का निर्देश दिया। साथ ही अग्निशमन विभाग के वाहनों एवं कर्मियों को भी पूरी तैयारी के साथ सतर्क रहने को कहा ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सके।छठ महापर्व की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को छठ घाटों का निरीक्षण कर आवश्यकतानुसार सुरक्षित एवं असुरक्षित घाटों को चिह्नित करने का निर्देश दिया। सुरक्षित घाटों पर साफ-सफाई बैरिकेडिंग पेयजल शौचालय, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था व माइकिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। वहीं असुरक्षित घाटों पर बैरिकेडिंग कर श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों का आवागमन प्रतिबंधित करने तथा खतरनाक स्थलों पर स्पष्ट चेतावनी संकेत लगाने का निर्देश दिया, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना को रोका जा सके।उपायुक्त दीपक कुमार दूबे ने पूजा समितियों एवं जिलेवासियों से जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेशों का पालन करने तथा प्रशासन को अपेक्षित सहयोग प्रदान करने की अपील जबकि उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की जिम्मेदारी है। सभी के सहयोग, सतर्कता एवं आपसी सद्भाव से ही पर्वों को सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सकता है।बैठक के अंत में इस संबंध में उपायुक्त ने सभी अधिकारियों पूजा समिति के प्रतिनिधियों एवं जिलेवासियों को दीपावली, काली पूजा एवं छठ महापर्व की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए स्वच्छता, शांति, संयम एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की।बैठक में उप विकास आयुक्त श्री सतीश चन्द्रा, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, अपर समाहर्ता विजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज अमर जॉन आइंद, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी थाना प्रभारी एवं विभिन्न पूजा पंडालों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

शहीद नायक सुबोध सिंह की 25वीं पुण्यतिथि पर धर्मपत्नी मंजू सिंह ने श्रद्धांजलि अर्पित की

साहिबगंज : शहीद नायक सुबोध सिंह की 25वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 3 नवंबर को न्यू झारखंड युवा क्लब के तत्वावधान में श्रद्धांजलि और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।इस अवसर पर शहीद सुबोध सिंह के देश के प्रति अदम्य साहस,त्याग और बलिदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा कि शहीद नायक सुबोध सिंह की शहादत के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उनकी धर्मपत्नी मंजू सिंह को अनुमंडल के सेवानिवृत्त ओएस मैथियास बेसरा के द्वारा सम्मानित किया गया।यह सम्मान केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं,बल्कि उस परिवार के त्याग,धैर्य और समर्पण के प्रति समाज की कृतज्ञता का प्रतीक है,जिसने देश की रक्षा के लिए अपना प्रियजन खोया।25 वर्षों का यह सफर हमें याद दिलाता है कि देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर सपूतों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता।शहीदों की स्मृतियां आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्रसेवा और देशभक्ति की प्रेरणा देती रहेंगी।इस कार्यक्रम का आयोजन न्यू झारखंड युवा क्लब के आयोजक विनोद कुमार यादव के नेतृत्व में किया गया।कार्यक्रम में गौतम कुमार सिंह,अमन कुमार,मीना किस्कू,अनिल यादव,राजू सिंह,सुनील टुडू,मुन्ना सिंह,देवेंद्र सिंह,पार्थो सिंह,बाम शंकर सिंह,चंदना सिंह,माधुरी सिंह,निरुपमा सिंह,संध्या सिंह,पूनम सिंह,शेफाली चक्रवर्ती,पूर्णा सिंह एवं माला सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।सभी उपस्थित लोगों ने शहीद सुबोध सिंह के बलिदान को नमन करते हुए उनकी धर्मपत्नी मंजू सिंह के प्रति सम्मान और संवेदना व्यक्त की।कार्यक्रम के माध्यम से न्यू झारखंड युवा क्लब ने यह संदेश दिया कि शहीद कभी मरते नहीं,वे अपनी वीरता,त्याग और बलिदान के माध्यम से हमेशा देशवासियों के दिलों में जीवित रहते हैं।

अमित मंडल का आरोप इंडिया गठबंधन देश में अराजकता फैलाने का कर रहा प्रयास



साहिबगंज : शहर के स्वामी विवेकानंद चौक के समीप पूर्व विधायक के आवासीय कार्यालय में मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में गोड्डा के पूर्व भाजपा विधायक अमित मंडल ने इंडिया गठबंधन के घटक दलों पर देश में अशांति और अराजकता फैलाने का प्रयास करने का आरोप लगाया।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का लोकतंत्र मजबूत हो रहा है और भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।अमित मंडल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस, सपा,झामुमो और आम आदमी पार्टी समेत इंडिया गठबंधन के नेता विभिन्न मुद्दों को लेकर जनता के बीच भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं।उन्होंने दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा इन गतिविधियों के विरोध में लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ अभियान के तहत पहले प्रमंडल स्तर और फिर जिला स्तर पर पदयात्रा निकालेगी।उन्होंने एसआईआर और बैलेट पेपर को लेकर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर भी प्रतिक्रिया दी।अमित मंडल ने कहा कि एसआईआर के माध्यम से मतदाता सूची को शुद्ध करने,मृत मतदाताओं के नाम हटाने तथा दो स्थानों पर नाम दर्ज होने जैसी विसंगतियों को दूर करने का कार्य किया जाता है।उन्होंने साहिबगंज और बरहेट में मतदाता सूची से जुड़े कथित फर्जीवाड़े की जांच का उल्लेख करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की।पूर्व विधायक ने राज्य सरकार पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार आदिवासी समाज के घटते जनसंख्या अनुपात और उनकी समस्याओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही है।उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठ और मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाते हुए कहा कि भाजपा आदिवासी समाज के हितों और अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठाती रहेगी।उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा और जनता को जागरूक करने के उद्देश्य से भाजपा चरणबद्ध तरीके से आंदोलन चलाएगी।प्रेस वार्ता में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य धर्मेंद्र कुमार, उपाध्यक्ष गरिमा कुमारी,संजय पटेल सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शिक्षकों को अब तक भुगतान के लिए इंतजार करना पड़ रहा है : मैनुल हक



साहिबगंज/उधवा: जनगणना 2026-27 के तहत प्रगणक के रूप में कार्य करने वाले शिक्षकों को अब तक मानदेय का भुगतान नहीं होने पर शिक्षकों ने नाराजगी जताई है। इस संबंध में मंगलवार को शिक्षकों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी जयंत कुमार तिवारी को संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त आवेदन सौंपकर बकाया मानदेय का अविलंब भुगतान कराने की मांग की। आवेदन सौंपने पहुंचे शिक्षक मैनुल हक, जिब्राइल शेख, मो.अब्दुल हन्नान फैजी, मो. नूरुद्दीन, बसीरुद्दीन अहमद, मो.बरकत अली, अताउर रहमान, सकल हेम्ब्रम सहित अन्य शिक्षकों ने बताया कि जनगणना 2026-27 के दौरान प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में उन्हें प्रगणक के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई थी। सभी शिक्षकों ने आवंटित कार्यों का निष्पादन किया लेकिन कार्य पूरा होने के बावजूद अब तक उन्हें मानदेय की राशि प्राप्त नहीं हुई है। शिक्षकों का कहना है कि अन्य जिलों में जनगणना कार्य में लगे कर्मियों को मानदेय का भुगतान किया जा चुका है, जबकि उधवा प्रखंड के शिक्षकों को अब तक भुगतान के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। शिक्षकों ने बीडीओ से मामले में आवश्यक पहल करते हुए लंबित मानदेय का भुगतान जल्द सुनिश्चित कराने का आग्रह किया। वहीं, आवेदन की प्रतिलिपि उपायुक्त एवं राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा को भी प्रेषित की गई है।

बनहरदी कोल ब्लॉक की आरएंडआर कॉलोनी के लिए जमीन देने से ग्रामीणों का इनकार

चंदवा (लातेहार) : बनहरदी कोल ब्लॉक परियोजना के तहत ग्राम बुल्हू में प्रस्तावित पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन (आरएंडआर) कॉलोनी के निर्माण के लिए ग्रामीणों ने जमीन देने से इनकार कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि खेती योग्य जमीन ही उनके परिवार की आजीविका का मुख्य आधार है। ऐसे में जमीन अधिग्रहित होने से उनके सामने भुखमरी और भूमिहीन होने का संकट उत्पन्न हो जाएगा। ग्रामीणों के अनुसार, गांव के अधिकांश महिला-पुरुष सरकारी नौकरी या गैर सरकारी रोजगार से नहीं जुड़े हैं। वे अपनी जमीन पर खेती और मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं।

झारखंड स्थापना दिवस को लेकर झामुमो की बैठक भव्य आयोजन की तैयारी



साहिबगंज/उधवा: भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी 15 नवंबर को भव्य कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसी को लेकर उधवा प्रखंड अंतर्गत मोहनपुर के खरदंग मैदान में झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली उर्फ बाबू दा के नेतृत्व में बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 15 नवंबर को कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान आयोजन की रूपरेखा तैयार करने अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने कार्यक्रम को बेहतर तरीके से संपन्न कराने को लेकर विचार-विमर्श किया गया।बैठक में उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, बलिदान और झारखंड राज्य के निर्माण में उनके योगदान को याद करते हुए स्थापना दिवस समारोह को उत्साहपूर्वक मनाने का संकल्प लिया। मौके पर केंद्रीय समिति सदस्य एखलाकुर रहमान, प्रखंड सचिव विश्वजीत मंडल, प्रखंड उपाध्यक्ष जैनुल आब्दीन शेख, कीनू सोरेन, जहांगीर शेख, यासीन शेख सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मक्खी और चींटियां लगे 250 रसगुल्ले सहित 4 किलोग्राम खराब मिठाइयां नष्ट कराई गईं

4 कारोबारियों को नोटिस जारी

- मिलावट अस्वच्छता पर प्रशासन सख्त खाद्य कारोबारियों को एफएसएसएआई लाइसेंस व स्वच्छता मानकों के अनुपालन का निर्देश

संवाददाता



साहिबगंज : आगामी दीपावली छठ महापर्व के मद्देनजर आम नागरिकों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा खाद्य सुरक्षा जांच अभियान चलाया जा रहा है।उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी के निर्देशानुसार साहिबगंज मुख्य बाजार में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी आशीष कुमार वर्मा, नौरंगदेव कुमार के नेतृत्व में विशेष जांच अभियान संचालित किया गया।अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा शहर के कुल 9 मिठाई दुकानों, होटलों एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। जांच के क्रम में विभिन्न दुकानों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता संबंधी अनियमितताएं पाई गईं। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 4 खाद्य कारोबारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। जांच के दौरान की गई कार्रवाई के तहत बृजवासी मिष्ठान भंडार दुकान के रसोईघर में अत्यधिक गंदगी पाई गई। साथ ही मक्खी एवं चींटियां लगे लगभग 250 पीस रसगुल्ले पाए गए।जिन्हें मौके पर ही नष्ट कराया गया। बम-बम मिष्ठान जांच के दौरान निर्धारित उपभोग अवधि समाप्त हो चुके लगभग 1 किलोग्राम पेड़ा पाए गए, जिन्हें तत्काल नष्ट कराया गया। शिवभोग मिष्ठान यहां गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए लगभग 3 किलोग्राम रसगुल्ले नष्ट कराए गए। इसके अतिरिक्त न्यू रामाधार मिष्ठान भंडार, गुप्ता स्वीट्स एवं मां तारा मिष्ठान सहित अन्य प्रतिष्ठानों का भी निरीक्षण किया गया।अभियान के दौरान मिठाई दुकानों एवं होटलों में बिक्री के लिए रखे गए पनीर की भी गहन जांच की गई, ताकि मिलावटी एवं एनालॉग पनीर की बिक्री पर रोक लगाई जा सके। इसके अलावा ठेला संचालकों, गुपचुप गोलगप्पा विक्रेताओं एवं अन्य छोटे खाद्य कारोबारियों के प्रतिष्ठानों का भी निरीक्षण किया गया। संबंधित कारोबारियों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने, प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई रखने तथा खाद्य सामग्री को सुरक्षित एवं ढककर रखने का निर्देश दिया गया। इस संबंध मेंखाद्य सुरक्षा पदाधिकारियों ने सभी खाद्य कारोबारियों को अनिवार्य रूप से भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण का वैध लाइसेंस अथवा पंजीकरण प्राप्त करने, प्रतिबंधित कृत्रिम रंगों का प्रयोग नहीं करने तथा खाद्य पदार्थों में किसी भी प्रकार की मिलावट से बचने की सख्त हिदायत दी। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले खाद्य कारोबारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सत्यम साई कुश्ती केंद्र भिवानी हरियाणा के लिए चयनित

संवाददाता



साहिबगंज : भारतीय खेल प्राधिकरण, नई दिल्ली के अधिनस्थ हरियाणा के भिवानी शहर में संचालित भारतीय खेल प्राधिकरण साईं सेंटर हेतु आवासीय कुश्ती बालक प्रशिक्षण केंद्र के लिए पुरानी साहेबगंज के सत्यम कुमार का चयन अंतिम रूप से किया गया है।सत्यम कुमार हरियाणा भिवानी के लिए रवाना हो गए।ज्ञातव्य हो खेल विभाग द्वारा चांद भैरव इनडोर स्टेडियम साहिबगंज में संचालित खेलो इंडिया कुश्ती सेंटर में कुश्ती कोच प्रकाश सिंह बादल के प्रशिक्षु रहे सत्यम कुमार अब हरियाणा में रहकर निःशुल्क आवासीय व्यवस्था के साथ कुश्ती खेल का का अभ्यास कर सकेंगे एवं भविष्य में जिले एवं राज्य का नाम रौशन कर सकेंगे।इस उपलब्धि पर उपायुक्त श्री दीपक कुमार दूबे पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह,उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक श्री संजय कुमार, जिला खेल पदाधिकारी नयन कुमार समेत साहेबगंज जिला ओलंपिक संघ,जिला कुश्ती संघ समेत जिले के खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

गैस रिसाव की जांच के दौरान सिलेंडर में लगी आग, ग्रामीणों ने टाला बड़ा हादसा

चंदवा (लातेहार) : चंदवा थाना क्षेत्र की चेतर पंचायत अंतर्गत आन गांव में मंगलवार की सुबह गैस सिलेंडर में रिसाव की जांच के दौरान अचानक आग लग गई। आग की लपटें उठते ही घर में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, ग्रामीणों की तत्परता और सूझबूझ से आग पर काबू पा लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी राम केवल उरांव मंगलवार को गैस सिलेंडर रिफिल कराकर घर लाए थे। घर पहुंचने के बाद वे सिलेंडर से गैस रिसाव की जांच कर रहे थे। इसी दौरान अचानक आग भड़क उठी। आग की लपटें देखकर घर में मौजूद लोग घबरा गए और शोर मचाने लगे।

शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए। काफी मशक्कत के बाद पानी डालकर आग पर काबू पाया गया। समय रहते आग बुझ जाने से संभावित जनहानि और बड़े नुकसान को टाल दिया गया। ग्रामीणों की तत्परता से आग आसपास के घरों तक फैलने से बच गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने गैस सिलेंडर के इस्तेमाल में सावधानी बरतने की अपील की।

प्रथम स्थान छठ पर्व पर आधारित नाट्य मंचन रहा आकर्षण का केंद्र

- पोस्टर मेकिंग में मनीष कुमार,दीया सजावट में संजना कुमारी रंगोली में नंदिनी और गायन में चांद मुनि ने हासिल किया

संवाददाता



साहिबगंज : दीपावली एवं छठ महापर्व के उपलक्ष्य में साहिबगंज महाविद्यालय के नंदन भवन में छात्र-छात्राओं के बीच विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय पर्व-त्योहारों की महत्ता से परिचित कराना और देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत व धार्मिक परंपराओं की विविध झलक प्रस्तुत करना था।इस अवसर पर पोस्टर मेकिंग रंगोली,दीया सजावट, नृत्य और गायन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.रणजीत कुमार सिंह उपस्थित थे उन्होंने प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत एक उत्सवधर्मी देश है और हमारे पर्व-त्योहार पारिवारिक एवं सामाजिक समरसता को अभिव्यक्त करने का स्नेहपूर्ण माध्यम हैं। इस आयोजन के माध्यम से समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द एवं भाईचारे का संदेश प्रसारित करना है। हमें एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हुए अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं का निर्वहन करना चाहिए। क्योंकि पर्व-त्योहार हमें जोड़ने का कार्य करते हैं।न कि तोड़ने का।प्राचार्य डॉ.सिंह ने दीपावली के अवसर पर विशेष अपील करते हुए कहा कि सभी लोग मिट्टी के दीये ही जलाएं तथा चीनी सामान की खरीदारी से परहेज करें।इससे स्थानीय कुम्हारों एवं कारीगरों को रोजगार मिलेगा और स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा।उन्होंने स्थानीय बाजारों में उपलब्ध पूजन सामग्री, सजावट के सामान,फल,मिठाई एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी कर स्थानीय व्यापारियों को प्रोत्साहित करने की भी अपील की।इस अवसर पर महाविद्यालय के मैथिली विभागाध्यक्ष डॉ ध्रुव ज्योति कुमार सिंह ने अपने संबोधन में दीपावली एवं छठ पर्व की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पौराणिक महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने महाविद्यालय में पहली बार इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन की सराहना करते हुए आयोजकों को बधाई दी।कार्यक्रम का विशेष आकर्षण बीएड के छात्र रोहित कुमार शाह एवं उनकी टीम के सदस्य स्नेहा, प्रीति, प्रिया तथा नंदिनी द्वारा छठ महापर्व के धार्मिक रीति-रिवाजों पर आधारित नाट्य मंचन रहा। कलाकारों ने छठ पर्व की पारंपरिक पूजा-पद्धति एवं लोक आस्था को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया, जिसे देखकर प्रशाल में उपस्थित सभी दर्शक भावविभोर हो उठे।इसके अतिरिक्त इतिहास विभाग के छात्र राहुल कुमार दुबे,हिंदी विभाग की छात्रा चांद मुनि,वाणिज्य विभाग की छात्रा संस्कृति कुमारी,अंग्रेजी विभाग की छात्रा वंदना कुमारी तथा बीएड की छात्रा अंकिता शर्मा ने छठ महापर्व की लोक आस्था एवं महिमा पर आधारित एकल गायन की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।

प्रतियोगिताओं के परिणाम

कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए गए। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में मनीष कुमार ने प्रथम, देवराज गौंड ने द्वितीय तथा अंकिता भारती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।दीया सजावट प्रतियोगिता में संजना कुमारी प्रथम,न्यासा भारती द्वितीय तथा राम हंसदा तृतीय स्थान पर रहे।रंगोली प्रतियोगिता में नंदिनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया,जबकि काजल एवं कंचन की जोड़ी द्वितीय तथा शिवानी एवं उनकी टीम तृतीय स्थान पर रही।गायन प्रतियोगिता में चांद मुनि ने प्रथम,संस्कृति कुमारी ने द्वितीय तथा राहुल कुमार दुबे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।वहीं,छठ पर्व पर आधारित नाट्य मंचन एवं सामूहिक नृत्य में स्नेहा एवं उनकी टीम के सदस्यों ने शानदार प्रस्तुति दी।कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ.राजीव कुमार सिंह,डॉ.प्रिया सिंह,डॉ.अनु सुमन बाड़ा,प्रोफेसर कोमल कुमारी,प्रोफेसर कुमार प्रशांत भारती इन एवं डॉ.रूपा चंदन कुमार का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। इस अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापकगण उपस्थित थे।वहीं,आयोजन को सफल बनाने में महाविद्यालय के छात्र रितेश कुमार रंजन,सोनू कुमार साहू,मनीष कुमार,राजीव सिंह सहित अन्य विद्यार्थियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, लोक परंपराओं एवं पर्व-त्योहारों के सामाजिक महत्व को समझने तथा अपनी रचनात्मक एवं सांस्कृतिक प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला।साथ ही मिट्टी के दीये अपनाने, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और स्थानीय कारीगरों के हितों का ध्यान रखने का संदेश भी दिया गया।

एएफसी एशियन कप 2027 स्थगित

अब 23 दिसंबर 2027 से 21 जनरी 2028 तक होगा टूनार्मेंट

रियाद (सऊदी अरब)। एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन (एएफसी) ने एएफसी एशियन कप सऊदी अरब 2027 के कार्यक्रम में बदलाव की घोषणा की है। पहले यह प्रतिष्ठित टूनार्मेंट सात जनवरी से पांच फरवरी 2027 तक आयोजित होना था, लेकिन अब इसे स्थगित कर दिया गया है। नई तारीखों के अनुसार, टूनार्मेंट 23 दिसंबर 2027 से 21 जनवरी 2028 तक खेला जाएगा।

एएफसी ने एक बयान में बताया कि मंगलवार को यह फैसला सऊदी अरब फुटबॉल महासंघ (एसएएफएफ) और



टूनार्मेंट की स्थानीय आयोजन समिति (एलओरसी) के साथ विस्तृत चर्चा और विचार-विमर्श के बाद लिया गया है।

क्षेत्र में मौजूदा असाधारण परिस्थितियों, लॉजिस्टिक चुनौतियों और यात्रा संबंधी बाधाओं को देखते हुए टूनार्मेंट की तारीखों में बदलाव किया गया है। टूनार्मेंट की नई तारीखें मंजूरी के लिए फीफा के पास भेजी जाएंगी।

एएफसी के अनुसार, मौजूदा परिस्थितियों में पहले से निर्धारित कार्यक्रम के तहत प्रतियोगिता का आयोजन करना मुश्किल हो रहा था। ऐसे में सभी भाग लेने वाली टीमों, अधिकारियों, दर्शकों और अन्य हितधारकों के हितों को ध्यान में रखते हुए टूनार्मेंट को स्थगित करना आवश्यक हो गया।

एएफसी ने विश्वस्तरीय टूनार्मेंट के आयोजन के प्रति प्रतिबद्धता दिखाने के लिए सऊदी अरब फुटबॉल महासंघ और स्थानीय आयोजन समिति की सराहना की है। साथ ही कहा है कि वह आयोजन समिति, भाग लेने वाले सदस्य संघो, प्रायोजकों, प्रसारण एवं व्यावसायिक साझेदारों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा, ताकि एशिया की इस प्रतिष्ठित पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन सफलतापूर्वक किया जा सके।

भारत के खिलाफ पहले वनडे से बाहर हुए न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवोन कॉनवे

ऑकलैंड (न्यूजीलैंड)। भारत के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले से पहले न्यूजीलैंड की टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे चोट के कारण पहले वनडे मैच से बाहर हो गए हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज की शुरूआत बुधवार यानी चार नवंबर से हो रही है। पहला मैच ऑकलैंड में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि मंगलवार को ईडन पार्क में अभ्यास सत्र के दौरान कैच पकड़ने की कोशिश में कॉनवे और उनके साथी खिलाड़ी मैट हेनरी के बीच टक्कर हो गई। इसके तुरंत बाद दोनों खिलाड़ियों



को मैदान पर मौजूद मेडिकल स्टाफ ने प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद दोनों की सिर की चोट से जुड़ी जांच (हेड इंजरी असेसमेंट) की गई। जांच के बाद डेवोन कॉनवे को आगे की चिकित्सा जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें कन्कशन (सिर में चोट के कारण मस्तिष्क पर असर) होने की पुष्टि हुई। इसी वजह से वह भारत के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार दोनों खिलाड़ियों की लगातार निगरानी की जाएगी। हालांकि, मैट हेनरी फिलहाल टीम में चयन के लिए उपलब्ध माने जा रहे हैं। न्यूजीलैंड की टीम पहले से ही मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र की चोटों से परेशान है। ऐसे में पहले वनडे से ठीक पहले कॉनवे का बाहर होना टीम के लिए एक और बड़ा झटका माना जा रहा है।

मनु भाकर 2026-2030 के लिए आईएसएसएफ एथलीट्स कमेटी का चुनाव लड़ेंगी

नई दिल्ली। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर 2026-2030 के कार्यकाल के लिए इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) एथलीट्स कमेटी का चुनाव लड़ने जा रही हैं। उन्हें पिस्टल वर्ग से उम्मीदवार के रूप में नामित किया गया है। इस वर्ग में दो पदों के लिए कुल 10 उम्मीदवार मैदान में हैं। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ के अनुसार मनु भाकर ने चुनाव के लिए खिलाड़ियों पर केंद्रित अपना विजन भी सामने रखा है। उनका उद्देश्य दुनियाभर के निशानेबाजों के लिए खेल को अधिक सुरक्षित, सहयोगात्मक और बेहतर बनाना है। मनु का मानना है कि अपने खेल के भविष्य को तय करने वाले फैसलों में खिलाड़ियों की आवाज अधिक मजबूत होनी चाहिए। उनका विजन एक खिलाड़ी के सफर के अहम पहलुओं पर केंद्रित है, जिसमें प्रतियोगिता के प्रारूप और आर्थिक अवसरों से लेकर, मानसिक स्वास्थ्य, करियर की सुरक्षा और खेल के प्रशासनिक ढांचे में खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व शामिल है। मनु भाकर के एजेंडे में पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा के भविष्य को सुरक्षित रखना प्रमुख



प्राथमिकता है। वह चाहती हैं कि इस स्पर्धा को ओलंपिक कार्यक्रम में बनाए रखने के लिए प्रयास किए जाएं। उनका लक्ष्य ओलंपिक चक्रों के दौरान तकनीकी नियमों में अधिक स्थिरता की वकालत करना भी है, ताकि एथलीट बेहतर निरंतरता और आत्मविश्वास के साथ तैयारी कर सकें।

हाइलो ओपन-2026 का खिताब जीतकर पीवी सिंधु विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर

नई दिल्ली। जर्मनी में हाल ही में हुए 'हाइलो ओपन-2026' में खिताब जीतने के बाद भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु अपनी विश्व रैंकिंग में और सुधार करके छठे स्थान पर पहुंच गई हैं।महिला सिंगल्स के फाइनल में भारतीय खिलाड़ी ने डेनमार्क की लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ड को 21-12, 21-14 से हराकर इस सीजन का अपना दूसरा खिताब जीता। इससे पहले, उन्होंने इस साल 'जापान ओपन' का खिताब भी अपने नाम किया था। इस 'सुपर 500' खिताब से उन्हें 9,200 अंक मिले, जिससे बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग के ताजा अपडेट में वह दो स्थान ऊपर आ गईं। एक हफ्ते पहले 'फ्रेंच ओपन' में शानदार प्रदर्शन के बाद सिंधु टॉप-10 में शामिल हुई थीं (तीन स्थान की छलांग लगाकर आठवें नंबर पर पहुंची थीं), जहां फाइनल में उन्हें विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी एन से-यंग से हार का सामना करना पड़ा था। इससे पहले वह अक्टूबर, 2022 में टॉप-5 में थीं, जब वह कुछ समय के लिए विश्व की नंबर 5 खिलाड़ी बनी थीं। महिला एकल वर्ग में अन्य भारतीय खिलाड़ियों की बात करें, तो तन्वी शर्मा एक स्थान ऊपर चढ़कर 21वें नंबर पर आ गई हैं, जबकि उन्नति हुड्डा दो स्थान नीचे खिसककर 23वें नंबर पर पहुंच गई हैं।

वेस्टइंडीज महिला टीम के कोच डिएट्ज ने छोड़ा पद

कोली को अंतरिम जिम्मेदारी

- तीन साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद अलग हुए डिएट्ज, पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज से कमान संभालेंगे आंद्रे कोली

किंग्सटन । वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच शेन डिएट्ज ने तीन साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद पद छोड़ दिया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। डिएट्ज का अनुबंध अक्टूबर के अंत में समाप्त हो गया था। उनके स्थान पर वेस्टइंडीज पुरुष टेस्ट टीम के पूर्व कोच आंद्रे



कोली को अंतरिम जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कोली आगामी पाकिस्तान दौरे के दौरान वेस्टइंडीज महिला टीम के मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगे। सीडब्ल्यूआई के क्रिकेट निदेशक माइल्स बासकॉम्ब ने कहा कि डिएट्ज के मार्गदर्शन में टीम ने लगातार दो महिला टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। उन्होंने इस प्रदर्शन को टीम के लिए एक नया मानक बताया। डिएट्ज के कार्यकाल में वेस्टइंडीज की महिला टीम 2024 और 2026 के टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल तक पहुंची। हालांकि, 2024 में उसे न्यूजीलैंड और इस साल ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

बासकॉम्ब ने बताया कि डिएट्ज ने अपने भविष्य की योजनाओं के बारे में बोर्ड को जानकारी दी थी। इसके बाद दोनों पक्षों ने टीम के हित में नेतृत्व परिवर्तन को उचित समय पर करने और जिम्मेदारी का सुचारु हस्तांतरण सुनिश्चित करने पर सहमति जताई।

मैं भी अपनी

शर्तों पर जीती हूं: न्यारा एम बनर्जी

अभिनेत्री न्यारा एम बनर्जी इन दिनों अपनी सीरीज 'दिल पड़ोसी' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में वह दीया का किरदार निभा रही हैं। न्यारा का कहना है कि उन्हें इस किरदार की सबसे खास बात यह लगी कि दीया बिना किसी झिझक के अपनी पहचान के साथ जीती है। वह अपने फैसले खुद लेती है। निजी जिंदगी में वह खुद भी इसी तरह की सोच रखती हैं, इसलिए उन्हें दीया का किरदार पसंद आया।

दीया के किरदार के बारे में बात करते हुए न्यारा ने कहा, ''सच कहूं तो मैं दीया की तरफ इसलिए आकर्षित हुई, क्योंकि मैं भी उसकी ही तरह हूं। उसके अंदर महत्वाकांक्षा है, आत्मविश्वास है और उसे अच्छी तरह पता है कि वह कौन है। मुझे इस किरदार को निभाते हुए काफी अच्छा लगा। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि सबसे दिलचस्प किरदार वही होते हैं, जिन्हें आसानी से किसी एक खांचे में नहीं रखा जा सकता। दीया भी उन्हीं में से एक है।'' न्यारा ने कहा, ''दीया की एक और खास बात यह है कि वह जिंदगी में सबकुछ अपने आप होने का इंतजार नहीं करती, बल्कि खुद आगे बढ़कर चीजों को बदलने की कोशिश करती है। मुझे इस किरदार का यही अंदाज पसंद आया। दीया दर्शकों को हैरान करती है और मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि लोग मेरे किरदार को कितना पसंद करते हैं।''

अलग-अलग पहलुओं को दिखाने का मौका मिलता है

अभिनेत्री ने आगे कहा, ''शेमारूमी के साथ 'दिल पड़ोसी' में काम करने का अनुभव मेरे लिए काफी दिलचस्प रहा। इस कहानी में कलाकारों को अपने किरदारों के अलग-अलग पहलुओं को दिखाने का मौका मिलता है। यही वजह है कि दीया जैसा किरदार निभाना मेरे लिए खास रहा। मेरा मानना है कि ऐसे किरदार ही सबसे ज्यादा दिलचस्प होते हैं, जो अपनी अलग सोच रखते हैं और जिन्हें सिर्फ अच्छा या बुरा कहकर समझना आसान नहीं होता।'' 'दिल पड़ोसी' शेमारूमी पर शेमारू प्रीमियर के तहत स्ट्रीम हो रही है।

विद्युत ने शख्स की जान बचाने का वीडियो शेयर किया

अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले के बाद फैंस पर सवाल उठाकर सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना कर रहे अभिनेता विद्युत जामवाल ने एक वीडियो साझा किया है। इस पुराने वीडियो में विद्युत रियल लाइफ में एक व्यक्ति की जान बचाते हुए नजर आ रहे हैं। यह वीडियो उनकी फिल्म 'बुलेट राजा' की शूटिंग के दौरान का है, जहां एक व्यक्ति गहरी और कांटेदार ढलान से फिसलकर नीचे गिर गया था और विद्युत ने अपनी जान की परवाह किए बिना नीचे कूदकर उसे बचाया था। इससे पहले विद्युत ने फैंस से कहा था 'कोई तो टाइगर के हमलावरों को पकड़ लेता, गोलियां चलती रहीं लोग तमाशा देखते रहे'। इस बयान के बाद विद्युत को भारी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था।

महिलाएं नहीं पुरुष होते हैं ज्यादा असुरक्षित : राधिका आप्टे

अभिनेत्री राधिका आप्टे आगामी वेब सीरीज 'अक्का' में अभिनेत्री कीर्ति सुरेश के साथ नजर आएंगी। बातचीत में अभिनेत्री ने उस पुरानी धारणा को खारिज कर दिया कि फिल्म सेट पर महिलाओं के बीच अक्सर झगड़े या टकराव होते हैं। अभिनेत्री का मानना है कि वर्कप्लेस का माहौल जेंडर पर नहीं बल्कि लोगों के आपसी तालमेल पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, 'यह बहुत पुरानी धारणा है कि महिलाएं आपस में झगड़ती हैं। मुझे लगता है कि पुरुष महिलाओं से कहीं ज्यादा असुरक्षित होते हैं। सच कहूं तो यह मर्द या औरत की बात नहीं है, यह आपसी तालमेल की बात है। आप कुछ लोगों के साथ घुल-मिल जाते हैं और कुछ के साथ नहीं।' सेट पर अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए राधिका आप्टे ने माहौल को पॉजिटिव बताया और कैमरे के सामने और पीछे दोनों जगह महिलाओं की मौजूदगी का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'हमारा सेट वाकई बहुत अच्छा था। सेट पर लगभग बराबर संख्या में पुरुष और महिलाएं थीं। कास्ट में कई महिलाएं थीं और पर्दे के पीछे काम करने वाली टीम में भी कई महिलाएं थीं। मुझे लगता है कि वहां एक अच्छी सिस्टरहुड वाली फीलिंग थी, जिसने चीजों को और ज्यादा कम्फर्टेबल बना दिया। ' राधिका ने बताया कि साथ काम करने वालों के साथ घुलने-मिलने का मतलब यह नहीं है कि आप हर किसी के करीबी दोस्त बन जाएं, चाहे वह पुरुष हो या महिला। उन्होंने कहा कि लोग करीबी रिश्ता न होने पर भी एक-दूसरे के साथ अच्छे और प्रोफेशनल संबंध बनाए रख सकते हैं।

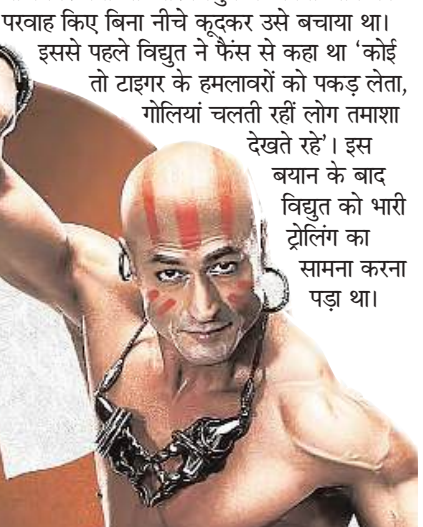


'हाउसफुल 4' के 7 साल पूरे होने पर

कृति ने याद किया अपना शाही अंदाज



2019 में रिलीज हुई फिल्म 'हाउसफुल 4' बॉलीवुड की लोकप्रिय कॉमेडी फ्रेंचाइजी की यादगार फिल्मों में से एक है। फिल्म के सात साल पूरे होने के मौके पर अभिनेत्री कृति खरबंदा ने इससे जुड़ी यादें ताजा की हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक नॉस्टैल्जिक पोस्ट साझा करते हुए फिल्म के साथ अपने जुड़ाव को याद किया है। फिल्म की सालगिरह के मौके पर कृति ने एक एआई से तैयार किया गया वीडियो साझा किया है, जिसमें फिल्म से उनका लुक नजर आ रहा है। इस वीडियो ने प्रशंसकों को एक बार फिर 'हाउसफुल 4' की दुनिया की याद दिला दी है। इसके साथ ही अभिनेत्री ने एक भावुक नोट लिखा है, 'फिल्म, इस अनुभव, पूरी टीम और बेशक हमारे दर्शकों के लिए आभारी हूं! ??' उनके इस संदेश ने फिल्म से जुड़े अनुभवों, साथ काम करने वाले लोगों और दर्शकों से मिले प्यार के प्रति उनकी कृतज्ञता को जाहिर किया है। 'हाउसफुल 4' में कृति खरबंदा दोहरी भूमिका में नजर आई थीं, जहां उन्होंने अलग-अलग दौर के दो किरदारों को पर्दे पर जीवंत किया था।



आसिफ खान ने ट्रोलर्स की लगाई क्लास

'बिग बॉस 20' से बेघर हुए अभिनेता आसिफ खान ने शो से बाहर आने के बाद कई मुद्दों पर अपनी बात रखी है। खासतौर पर लव गिल के साथ उनके रिश्ते और दोनों के गले मिलने का वायरल वीडियो चर्चा में रहा। इंटरव्यू में आसिफ ने बताया कि उन्हें इस वीडियो के वायरल होने की जानकारी अपनी पत्नी जेबा से मिली थी। उन्होंने कहा कि उन्हें इस पर लोगों की प्रतिक्रिया का बिल्कुल अंदाजा नहीं था। आसिफ ने बताया कि उनकी पत्नी ने बातचीत के दौरान उन्हें वीडियो दिखाया और बताया कि यह भी चर्चा में है। वीडियो देखने के बाद दोनों खूब हंसे। अभिनेता ने पत्नी की समझदारी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने हर स्थिति को काफी परिपक्वता से संभाला।

भारत से दो अरब डॉलर से अधिक की आर्थिक सहायता मांगेगा नेपाल

विदेश सचिव मिस्त्री आज और कल रहेंगे पड़ोसी देश में

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल, भारत से करीब 3 लाख करोड़ रुपये (2 अरब अमेरिकी डॉलर) का रियायती ऋण और अनुदान मांगने जा रहा है। आज से शुरू होने वाले भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री की नेपाल यात्रा के दौरान इस प्रस्ताव को उनके सामने रखा जाएगा। 23-24 नवंबर को होने वाली प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की भारत यात्रा के दौरान नेपाल आर्थिक सहायता पैकेज की मांग करने की तैयारी में है। इस भ्रमण की तैयारी को लेकर आज से दो दिनों के नेपाल दौरे पर विदेश सचिव मिस्त्री नेपाल पहुंच गए हैं। इसका मकसद भ्रमण के एजेंडे को अंतिम रूप देना है।



नेपाल के विदेश मंत्रालय के तरफ से 1 अरब अमेरिकी डॉलर का रियायती ऋण, 50 करोड़ डॉलर का अनुदान और भोटेकोशी बाढ़ से हुए नुकसान के पुनर्निर्माण के लिए 50 करोड़ डॉलर सहित 2 अरब डॉलर से अधिक की आर्थिक सहायता मांगी जाएगी। विदेश और वित्त मंत्रालय के दो वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि इस विषय पर प्रारंभिक चर्चा होगी। प्रधानमंत्री शाह की यात्रा की तैयारियों के बीच भारत के नवनियुक्त राजदूत सुधाकर दलेला मंगलवार को काठमांडू पहुंच चुके हैं। वित्तमंत्री स्वर्णिम वाग्ले की अक्टूबर में हुई भारत यात्रा के दौरान सहायता पैकेज से संबंधित प्रारंभिक प्रस्ताव पेश किया गया था। हालांकि, भारतीय सहायता के लिए प्रस्तावित परियोजनाओं और उनके लिए आवश्यक राशि का विस्तृत विवरण मिस्त्री की यात्रा के दौरान भारत को सौंपने की तैयारी है। वित्त मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान पैकेज पर बातचीत पूरी होने और इसकी घोषणा होने की संभावना है।

नेपाल के विदेश सचिव अमृत राई ने कहा, ₹विभिन्न सरकारी निकायों से परामर्श के बाद नेपाल ने जो प्रस्ताव तैयार किया है, उसके अनुसार नई दिल्ली से 1 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का रियायती ऋण मांगा जाएगा। इस राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से देश के भीतर विभिन्न ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में करने की योजना है।₹ विदेशमंत्री शिशिर खनाल ने मंगलवार को विभिन्न मंत्रालयों के सचिवों की बैठक बुलाकर मिस्त्री की यात्रा के दौरान भारत के समक्ष पेश की जाने वाली परियोजनाओं की सूची पर चर्चा की थी। मंत्रालय के अनुसार, बैठक में विभिन्न मंत्रालयों के एजेंडे को एकीकृत करने के साथ ही भारत की सहायता से नेपाल में संचालित परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा भी की गई।

इसके अलावा, रियायती ऋण और अनुदान के माध्यम से भारत से सहायता मांगने वाली नई परियोजनाओं, खनाल की पिछले जेठ में हुई भारत यात्रा, वाग्ले की असोज में हुई यात्रा और उसके बाद दोनों देशों के बीच हुई बैठकों में उठाए गए मुद्दों पर भी चर्चा हुई। मिस्त्री अपने नेपाली समकक्ष और विदेश सचिव अमृत बहादुर राई के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता भी करेंगे। इस दौरान राई भारत के विचारार्थ नेपाल की प्राथमिकता वाली परियोजनाओं की सूची औपचारिक रूप से मिस्त्री को सौंपेंगे।

रियायती ऋण के अलावा नेपाल सिद्धार्थ राजमार्ग के उन्नयन के लिए भारत से 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अतिरिक्त अनुदान मांगने की तैयारी में है। भारत के सुनौली सीमा नाके को पोखरा से जोड़ने वाले इस राजमार्ग के उन्नयन के लिए विदेश मंत्री खनाल ने पिछले जेठ में भारत यात्रा के दौरान भी इतनी ही राशि का अनुदान देने का आग्रह किया था। इसी तरह, पिछले 26 अगस्त को भोटेकोशी में आई बाढ़ से क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण और पुनर्वास के लिए भी 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त सहायता मांगी जाएगी। इस राशि को भी प्रस्तावित आर्थिक सहायता पैकेज में शामिल किया गया है।

नेपाल में गुजरात के नंबर वाली मर्सिडीज कार लावारिस हालत में मिली

काठमांडू। भारत से सटी नेपाली सीमा क्षेत्र रुपन्देही में गुजरात के नंबर प्लेट वाली भारतीय मर्सिडीज कार बरामद, लावारिस हालत में बरामद की गई है। रुपन्देही पुलिस ने भारतीय नंबर प्लेट वाली मर्सिडीज कार बरामद की है। जिला पुलिस कार्यालय रुपन्देही के अनुसार, मंगलवार को सिद्धार्थनगर नगरपालिका स्थित बसडिलवा से भारतीय नंबर प्लेट वाली कार बरामद की गई। कार का पंजीकरण नंबर जीजे 21 सीबी 6001 है।पुलिस ने बताया कि कार लावारिस हालत में मिली थी। पुलिस निरीक्षक चंद्रकिशोर शाह के अनुसार, एक खाली जमीन पर लंबे समय से कार लावारिस हालत में खड़ी होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस के मुताबिक, बरामद कार की अनुमानित कीमत 90 लाख रुपये है। कार को आवश्यक जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए भैरहवा स्थित बेलहिया सीमा शुल्क कार्यालय भेज दिया गया है।



दक्षिण दिनाजपुर में दिल दहला देने वाली वारदात : पत्नी की हत्या कर कटा हुआ सिर लेकर मंदिर में बैठा रहा पति

एजेंसी

कोलकाता। दक्षिण दिनाजपुर जिले के गंगारामपुर इलाके में बुधवार सुबह एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की बेरहमी से गला काटकर हत्या कर दी और उसके बाद पत्नी का कटा हुआ सिर लेकर एक स्थानीय मंदिर में जा बैठा। सुबह नींद से उठने के बाद इस खौफनाक मंजर को देखकर स्थानीय लोग बुरी तरह सहम गए और पूरे इलाके में भयानक दहशत फैल गई।

लोगों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। खबर मिलते ही गंगारामपुर थाने की पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित पति रिंटू घोष को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शव के हिस्सों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर मामले की सघन जांच शुरू कर दी है।

हालांकि, इस जघन्य हत्याकांड के पीछे का सटीक कारण अभी तक पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हो पाया है। स्थानीय सूत्रों और पड़ोसियों से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, भारी आर्थिक तंगी के कारण पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था और उनके बीच अक्सर तीखी बहस होती थी। पुलिस फिलहाल हिरासत में लिए गए आरोपित रिंटू घोष से कड़ी पूछताछ कर रही है ताकि इस नृशंस हत्या की असली वजह का खुलासा हो सके। इस खौफनाक घटना के बाद से पूरे गंगारामपुर इलाके में सनसनी का माहौल है।

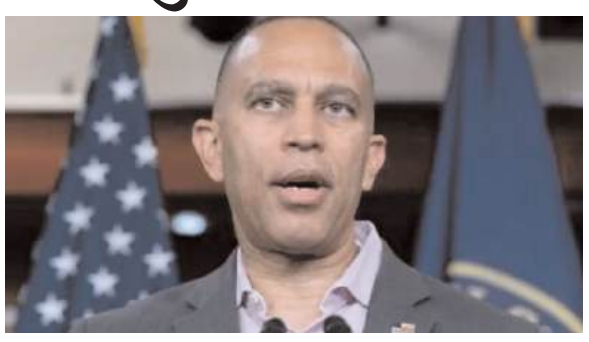
हाउस में डेमोक्रेटिक नेता ने 'अमेरिका की जीत' का ऐलान किया, व्हाइट हाउस ने कहा

ऐसा हुआ तो बहुत पछतावा करेंगे मतदाता

एजेंसी

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन (अमेरिका),/रिया नोवोस्ती)। अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में डेमोक्रेटिक अल्पमत के नेता हकीम जेफरीज ने 'अमेरिका की जीत' का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद आए अनुमानों से पता चलता है कि कांग्रेस के निचले सदन पर डेमोक्रेट्स का नियंत्रण हो जाएगा। हाउस में डेमोक्रेट्स के नियंत्रण की खबरों के बीच व्हाइट हाउस ने कहा कि ऐसा हुआ तो डेमोक्रेट्स को वोट देने वाले मतदाता पछतावा करेंगे।

जेफरीज ने एक्स पर कहा, 'अमेरिका की जीत!' विश्लेषणात्मक सेवा 'डिसीजन डेस्क एचक्यू' और ब्रॉडकास्टर सीएनएन व एनबीसी के अनुमानों के अनुसार, कांग्रेस चुनावों के नतीजों के आधार पर अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स पर डेमोक्रेट्स का नियंत्रण हो जाएगा। फिलहाल, दोनों सदनों में रिपब्लिकन पार्टी के पास मामूली



बहुमत है। हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में रिपब्लिकन के पास 218 सीटें हैं, जबकि डेमोक्रेट्स के पास 214 सीटें हैं। वहीं सीनेट में रिपब्लिकन के पास 53 सीटें हैं और डेमोक्रेट्स के पास 47 सीटें हैं।

इस बीच व्हाइट हाउस ने बताया कि जिन अमेरिकियों ने डेमोक्रेट्स को वोट दिया है, उन्हें अपने इस फैसले पर पछतावा होगा। ऐसा तब होगा जब ईरान के साथ चल रहा विवाद सुलझ जाएगा और पेट्रोल की कीमतें कम हो जाएंगी, लेकिन उनके पास अभी भी कट्टर उदारवादी डेमोक्रेट्स की सूची ही रह जाएगी। प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया, ₹आज जिन लोगों ने डेमोक्रेट्स को वोट दिया है, उन्हें बाद में बहुत पछतावा होगा। जब ईरान विवाद सुलझने के बाद पेट्रोल की कीमतें तेजी से नीचे आएंगी, तब उन्हें एहसास होगा कि वे कट्टर उदारवादी डेमोक्रेट्स के साथ फंस गए हैं।₹

यह टिप्पणी अमेरिकी विश्लेषक फर्म 'डिसीजन डेस्क एचक्यू' के उस अनुमान के बीच आई है, जिसमें कहा गया है कि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा पर डेमोक्रेट्स का नियंत्रण हो जाएगा। तीन नवंबर को संयुक्त राज्य अमेरिका में मध्यावधि कांग्रेसनल चुनाव हुए, जिसमें अमेरिकियों ने प्रतिनिधि सभा के सभी 435 सदस्यों और 35 सीनेटरों के लिए वोट डाला।

इस बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के एक प्रतिनिधि ने संकेत दिया है कि अमेरिकी कांग्रेसनल चुनाव के शुरूआती नतीजों के बाद भी व्हाइट हाउस का रुख अडिग (यानी हार न मानने वाला) बना हुआ है। इससे पहले बुधवार को अमेरिकी विश्लेषक सेवा 'डिसीजन डेस्क एचक्यू' ने कहा था कि शुरूआती आंकड़ों के अनुसार, इस बात की 84% संभावना है कि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा का नियंत्रण रिपब्लिकन के हाथों से निकलकर डेमोक्रेट्स के पास चला जाएगा। डेमोक्रेट्स की जीत के अनुमान के बीच, व्हाइट हाउस के भीतर के माहौल को लेकर एजेंसी के एक सवाल के जवाब में अधिकारी ने कहा, व्हाइट हाउस का रुख अडिग है।

छत्तीसगढ़ के 16 जिलों के लिए बारिश का यलो अलर्ट जारी

एजेंसी

रायपुर। बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवाती तूफान 'मुरासु' के प्रभाव से छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में मौसम पूरी तरह बदल गया है। मौसम विभाग ने सुरक्षा के मद्देनजर प्रदेश के 16 जिलों में के लिए आज (4 नवंबर) यलो अलर्ट जारी किया है।

चक्रवाती तूफान 'मुरासु' के प्रभाव के कारण मौसम विभाग ने मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ के मध्य और दक्षिणी हिस्सों (बस्तर और रायपुर संभाग के जिलों) के लिए मौसम चेतावनी जारी की है।

मौसम विभाग ने जिन प्रभावित क्षेत्रों में विशेष रूप से सतर्क रहने (यलो अलर्ट) को कहा है उनमें मुख्य रूप से बस्तर (जगदलपुर), दंतेवाड़ा, कांकेर-, कोंडागांव, सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर, रायपुर और दुर्ग संभाग के प्रमुख जिलेः,रायपुर, दुर्ग,धमतरी, महासांमुद, गरियाबंद, बालोद, बेमतरा, राजनंदगांव शामिल हैं।

इन क्षेत्रों में चक्रवात की



बाहरी कतारों की वजह से 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और हल्की से मध्यम (कहीं-कहीं भारी) बारिश की चेतावनी है।

राजधानी रायपुर में सोमवार से ही आसमान में बादल छाए हैं। शहर के कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी भी दर्ज की गई। रायपुर में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। पिछले 24 घंटों में जगदलपुर में 22 मिमी बारिश दर्ज हुई। पेण्ड्रा रोड में सबसे कम तापमान 16.6 डिग्री दर्ज किया गया।कई इलाकों में बादल छाए रहे और शाम होते-होते कुछ जगह तेज बारिश भी हुई।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख

कमजोर शुरूआत के बाद उछले सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

]घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान तेजी का माहौल बना हुआ है। कमजोर ग्लोबल संकेतों के बीच आज बाजार की शुरूआत गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के तुरंत बाद खरीदारों ने चौतरफा लिवाली का जोर बना दिया जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने रिकवर कर हरे निशान में अपनी जगह बना ली। एफएमसीजी व बैंकिंग सेक्टर में आई तेजी के सपोर्ट से शुरू हुई इस खरीदारी के दम पर बाजार लगातार ऊंचाई की ओर बढ़ता गया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.44 प्रतिशत और निफ्टी 0.43 प्रतिशत की मजबूती के



साथ कारोबार कर रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 64.74 अंक यानी 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,853.11 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बाजार में लिवाली का दौर शुरू हो गया। खासकर, एचडीएफसी बैंक और आईटीसी जैसे बड़े दिग्गज शेयरों में आई तेजी से बाजार को शुरूआती बूस्ट मिला, जिससे यह सूचकांक शुरूआती कारोबार में ही उछल कर 77,396.04 अंक के ऊपरी स्तर तक पहुंच गया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 335.27 अंक यानी 0.44 प्रतिशत की मजबूती के साथ 77,253.12 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा था।

सेंसेक्स की ही तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 68.60 अंक यानी 0.29 प्रतिशत टूट कर 23,742.25 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही एफएमसीजी, फाइनेंस और ऑटो जैसी दिग्गज कंपनियों में शुरू हुई जोरदार लिवाली के चलते इस सूचकांक की चाल ने रफ्तार पकड़ ली। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी शुरूआती कारोबार में ही 23,946.35 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 102.60 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,913.45 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,832 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,965 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 867 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 18 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 12 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

आज सुबह के कारोबार में स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से टॉप गेनर्स की सूची में आईटीसी 3.09 प्रतिशत की तूफानी बढ़त के साथ सबसे आगे बना हुआ था। इसके अलावा मैक्स हेल्थकेयर 2.65 प्रतिशत, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 2.41 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 2.23 प्रतिशत और बजाज फिनसर्व 1.71 प्रतिशत की मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर, बाजार की इस तेजी के बीच भी टॉप लूजर्स में कोल इंडिया 1.74 प्रतिशत, बीएसई लिमिटेड 1.55 प्रतिशत, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन 1.01 प्रतिशत, इन्फोसिस 0.67 प्रतिशत और एचसीएल टेक 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 1,225.07 अंक यानी 1.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ 76,917.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 370.05 अंक यानी 1.58 प्रतिशत की उछाल के साथ 23,810.85 अंक के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

धनतेरस के पहले सराफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में सोना 250 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। माना जा रहा है कि सोने के भाव में धनतेरस और दिवाली की वजह से तेजी का ये माहौल बना है। दूसरी ओर चांदी के भाव में आज लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। शुरूआती कारोबार में आज भी ये चमकीली धातु सोमवार के भाव पर ही बिक रही है। भाव में बदलाव आने के कारण देश के अलग-अलग सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,28,010 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,28,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज भी 1,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के पुराने स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,39,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,28,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,39,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,28,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

केरल और चेन्नई में 11 ठिकानों पर ईडी की तलाशी, सहकारी समिति के धन के दुरुपयोग का आरोप

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) केरल और चेन्नई में 11 ठिकानों पर तलाशी अभियान चला रहा है। यह कार्रवाई भारत लजना मल्टी स्टेट को-ऑपरेटिव सोसाइटी (बीएलएम) के संस्थापक सदस्य और वास्तविक रूप से अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) रहे आर. प्रेमकुमार तथा अन्य से जुड़े मामले में की जा रही है। ईडी के अनुसार, प्रेमकुमार ने अपने प्रभाव का दुरुपयोग कर सार्वजनिक जमाकताओं से सोसाइटी में जमा कराई गई करोड़ों रुपये की राशि अपनी पत्नी और रिश्तेदारों के खातों में स्थानांतरित कराई। आरोप है कि इस धन का इस्तेमाल निजी उद्देश्यों के लिए किया गया। जांच एजेंसी के मुताबिक, प्रेमकुमार ने सोसाइटी के रागम थिएटर को ब्रियोस फिनवेस्ट के पास गिरवी रखा, लेकिन इसके बदले मिली राशि सोसाइटी तक नहीं पहुंची। इसके अलावा, उन्होंने कांचीपुरम में करीब 500 एकड़ जमीन अपनी पत्नी के नाम पर खरीदी।

उज्जैन: भस्म आरती में राजा स्वरूप में सजे बाबा महाकाल, दिए दिव्य दर्शन



उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैनस्थितविश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार तड़के भगवान महाकाल की भस्म आरती विशेष पूजन और दिव्य श्रृंगार के साथ संपन्न हुई। इस दौरान बाबा महाकाल का राजा स्वरूप में मनोहारी श्रृंगार किया गया। भगवान ने शेषनाग का रजत मुकुट, चांदी की मुंडमाल, रुद्राक्ष की माला और सुगंधित पुष्पों की मालाएं धारण कर भक्तों को दर्शन दिए। भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। बुधवार तड़के करीब 4 बजे मंदिर के पट खोले गए। सबसे पहले वीरभद्र जी को प्रणाम कर स्वस्ति वाचन किया गया। इसके बाद चांदी के द्वार खोलकर गर्भगृह में विराजित देवी-देवताओं का पूजन किया गया। पुजारियों ने भगवान महाकाल का पिछला श्रृंगार उतारकर जलाभिषेक किया। इसके बाद दूध, दही, घी, शक्कर, शहद और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक-पूजन कर कर्पूर आरती की गई। नंदी हॉल में भगवान नंदी का स्नान, ध्यान और पूजन किया गया। इसके बाद भगवान महाकाल को भांग, चंदन और सिंदूर अर्पित कर आभूषणों से राजा स्वरूप में सजाया गया। प्रथम घंटाल बजाकर हरिओम जल अर्पित किया गया और मंत्रोच्चार के बीच भगवान का ध्यान किया गया। भस्म अर्पण की परंपरा के तहत ज्योतिर्लिंग को वस्त्र से ढंककर भस्म रमाई गई। इसके बाद बाबा महाकाल को शेषनाग का रजत मुकुट, चांदी की मुंडमाल, रुद्राक्ष की माला और सुगंधित पुष्पों की मालाएं अर्पित की गईं। ड्रायफ्रूट, फल और मिठाइयों का भोग लगाया गया। महा निवार्णी अखाड़े की ओर से भगवान को भस्म अर्पित की गई। धार्मिक मान्यता है कि भस्म अर्पण के बाद भगवान महाकाल निराकार से साकार स्वरूप में भक्तों को दर्शन देते हैं। भस्म आरती के दौरान मंदिर परिसर बाबा महाकाल के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने नंदी महाराज के दर्शन किए और उनके कान में अपनी मनोकामनाएं कही। भक्तों ने भक्ति भाव के साथ बाबा महाकाल के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

झाड़ग्राम में बस और मालवाहक लॉरी की आमने-सामने टक्कर, कई यात्री घायल

झाड़ग्राम। पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम जिले के कलाबनी इलाके में पांच नंबर राज्य सड़क पर बुधवार सुबह एक यात्री बस और मालवाहक लॉरी के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में दोनों वाहनों के चालक गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि बस में सवार कई यात्रियों को भी चोटें आई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह करीब साढ़े सात बजे झाड़ग्राम से दीघा जा रही पेखम नामक यात्री बस की सामने से आ रही एक मालवाहक लॉरी से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों के चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके अलावा बस में सवार कई यात्रियों को भी चोटें आईं। दुर्घटना की सूचना मिलते ही झाड़ग्राम थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और बचाव दल ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को वाहनों से बाहर निकाला। इसके बाद सभी घायलों को उपचार के लिए झाड़ग्राम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा गया। इस दुर्घटना के कारण पांच नंबर राज्य सड़क पर काफी देर तक यातायात प्रभावित रहा। सड़क पर वाहनों की आवाजाही बाधित होने से यात्रियों और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना के बाद इलाके में हलचल मच गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली।

पंजाब नेशनल बैंक के खाते से करोड़ों रुपये के घोटाले के आरोप में बैंक कर्मचारी और सहायक गिरफ्तार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के एच्क्षर गांव में स्थित पंजाब नेशनल बैंक के खातों से 10.24 करोड़ रुपये गायब करने के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मंगलवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें बैंक शाखा की एक महिला ऑफिस असिस्टेंट दीपांशी और उसका निजी सहयोगी आशुतोष कुमार पाठक शामिल है।आरोप है कि दोनों ने मिलीभगत कर ग्राहकों के खातों से बिना अनुमति के रकम निकाली और उसे हड़प लिया। सीबीआई ने आशुतोष को महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार किया है। वहीं दीपांशी की गिरफ्तारी की लोकेशन सीबीआई ने अभी साफ नहीं की है। सीबीआई के मुताबिक, मंगलवार को गिरफ्तारी के बाद आशुतोष पाठक को पुणे की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसकी ट्रांजिट रिमांड हासिल कर ली गई है। अब दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रकम के लेनदेन, अन्य संदिग्धों की भूमिका की जांच की जा रही है।

न्यूज IN ब्रीफ

कुएं में गिरे दो कोबरा सांप को वन विभाग की टीम ने सुरक्षित निकाला, जंगल में छोड़ा



हुसैनाबाद (पलामू) : हुसैनाबाद के कुकही गांव में कुएं के भीतर दो बड़े कोबरा सांप को ग्रामीणों ने देखा। ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना वन विभाग टीम को दी गई। वन विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। और कड़ी मशक्कत के बाद दोनों सांपों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। बाद में दोनों कोबरा सांपों को सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। जानकारी के अनुसार ग्रामीण जब कुएं के पास गए तो कुएं के भीतर दो सांप फन फैलाए थे। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना वन विभागको दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। टीम ने स्थिति का जायजा लिया और सावधानीपूर्वक रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद दोनों सांपों को एक-एक कर कुएं से सुरक्षित बाहर निकाला। मोहम्मदगंज वन क्षेत्र के प्रधान वनरक्षी राजू रंजन ने बताया कि रेस्क्यू किए गए दोनों सांप पूरी तरह स्वस्थ हैं। उन्हें आबादी से दूर एक घने सुरक्षित जंगल में ले जाकर छोड़ दिया गया। ताकि वे अपने प्राकृतिक वातावरण में स्वतंत्र रूप से रह सकें। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि क्षेत्र में वन्यजीव या सांप दिखने पर तुरंत वन विभाग को सूचना दें। किसी भी स्थिति में उन्हें नुकसान पहुंचाने की कोशिश न करें।

31 मार्च 2027 तक पूरा होगा रामगढ़ में कचरा प्रसंस्करण प्लांट का निर्माण

रामगढ़ : रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र के मुर्रामकलां स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड में प्रस्तावित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट) प्रसंस्करण प्लांट के निर्माण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। मंगलवार को उपायुक्त ऋतुराज ने प्रस्तावित प्लांट स्थल का निरीक्षण कर वहां चल रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने प्लांट से जुड़ी सभी आवश्यक आधारभूत संरचनाओं का निर्माण हर हाल में 31 मार्च 2027 तक पूरा करने का निर्देश दिया, ताकि शहर में प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निष्पादन शुरू किया जा सके।

उल्लेखनीय है कि करीब दो माह पूर्व उपायुक्त ने रामगढ़ नगर परिषद और संबंधित एजेंसी को प्रस्तावित प्लांट स्थल पर जमा 42 हजार मीट्रिक टन से अधिक पुराने कचरे को हटाने का निर्देश दिया था। कचरे का विशाल ढेर प्लांट निर्माण की दिशा में सबसे बड़ी बाधा बना हुआ था। लगातार भारी बारिश के कारण इसे हटाने का काम भी काफी चुनौतीपूर्ण हो गया था। हालांकि, उपायुक्त की नियमित निगरानी और लगातार प्रयासों के बाद पिछले दो माह में तीन बार स्थल का निरीक्षण कर कार्यों की समीक्षा की गई। इसके परिणामस्वरूप अब प्लांट निर्माण के लिए स्थल पूरी तरह तैयार हो गया है।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने निर्माण एजेंसी को प्लांट निर्माण की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्लांट निर्माण के साथ ही चारदीवारी बनाने का काम भी समानांतर रूप से किया जाए। इसके लिए एजेंसी अलग-अलग टीमों का गठन कर कार्य में तेजी लाए, ताकि निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी कार्य पूरे किए जा सकें।

उपायुक्त ने रामगढ़ नगर परिषद और रामगढ़ छावनी परिषद के अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्लांट का निर्माण पूरा होने तक प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले कचरे के प्रबंधन में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उपलब्ध मशीनों और संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए कचरे की व्यवस्थित डंपिंग और प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। वहीं, स्थल पर पहले से जमा पुराने कचरे के निष्पादन को लेकर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि इसके लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार कराया जाएगा। विभागीय स्वीकृति मिलने के बाद नियमानुसार पुराने कचरे के निष्पादन की कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान उपायुक्त ने स्थल पर चल रहे चारदीवारी निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। कार्य की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने संबंधित एजेंसी को निर्माण कार्य में तेजी लाने और निर्धारित समय-सीमा के भीतर इसे पूरा करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि रामगढ़ में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की स्थायी व्यवस्था विकसित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी संबंधित विभागों, निकायों और एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ काम करते हुए तय समय-सीमा में निर्माण कार्य पूरा करना होगा।

राष्ट्रीय पीएसी सम्मेलन में झारखंड का प्रतिनिधित्व कर रहे बरही विधायक

बरही : झारखंड विधानसभा की लोक लेखा समिति के सभापति सह बरही विधायक मनोज कुमार यादव राष्ट्रीय लोक लेखा समितियों के सम्मेलन में झारखंड का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यह सम्मेलन केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम स्थित केरल विधानसभा में आयोजित किया जा रहा है।

विधायक श्री यादव के साथ समिति के सदस्य सह विधायक नमन विक्सल कोंगड़ी, विधायक समीर महंती और विधायक जगत मांझी भी सम्मेलन में शामिल हुए हैं। झारखंड विधानसभा के उप सचिव अनूप कुमार भी प्रतिनिधिमंडल के साथ मौजूद हैं। सम्मेलन में देश की विभिन्न विधानसभाओं की लोक लेखा समितियों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इसमें सरकारी खर्चों की निगरानी, सार्वजनिक धन के सदुपयोग और वित्तीय जवाबदेही से जुड़े विषयों पर चर्चा की जा रही है। विधायक श्री यादव ने केरल पहुंचने की जानकारी साझा करते हुए झारखंड विधानसभा के प्रतिनिधिमंडल की तस्वीरें भी पोस्ट की हैं। इस सम्मेलन में उनकी भागीदारी बरही विधानसभा क्षेत्र के लिए भी चर्चा का विषय बनी है।

किसान मित्र की पुत्री के श्राद्ध कार्यक्रम में आर्थिक सहयोग

चरही/ हजारीबाग : चुरचू प्रखंड के अंतर्गत आंगो पंचायत के ग्राम लोटे-पोटामो निवासी किसान मित्र जीवन हेम्ब्रम की पुत्री का आकस्मिक बीमारी के कारण निधन हो गया था। उनके श्राद्ध कार्यक्रम में चुरचू प्रखंड किसान मित्र संघ के सदस्यों ने शामिल होकर आर्थिक रूप से सहयोग किया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पुनीत राम, राजेंद्र साव, एरिक तिग्गा, नरेश यादव, कामेश्वर यादव, अशोक प्रसाद, सुरेश महतो, संतोष बास्के, रोहित महतो, चौलेश्वर महतो, नरेश कुमार महतो, मेघनाथ महतो, नूनू प्रसाद के द्वारा आर्थिक सहयोग किया गया।किसान मित्र जीवन हेम्ब्रम ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी ने इस दुख की घड़ी में जो सहयोग किया।

धनबाद में दीपावली से पहले मिलावटखोरों पर बड़ा एक्शन, 9 क्विंटल जहरीले लड्डू किए गए नष्ट

संवाददाता

धनबाद : दीपावली के त्योहार को देखते हुए बाजार में मिठाइयों की मांग तेजी से बढ़ गई है। इसी के साथ मिलावटखोरों पर नकेल कसने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने भी अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी में धनबाद के चिरकुंडा में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने तीन मिठाई दुकानों पर छापेमारी कर करीब 9 क्विंटल मिलावटी लड्डू जब्त किए हैं। जांच के दौरान इन मिठाइयों में प्रतिबंधित केमिकल रंगों के इस्तेमाल का खुलासा हुआ, जिसके बाद जब्त किए गए लड्डुओं को मौके पर ही नष्ट करा दिया गया।



अवैध रूप से बिना लाइसेंस चल रही थीं दुकानें

त्योहार के मौसम में मिलावट और असुरक्षित खाद्य पदार्थों की बिक्री पर लगाम लगाने के लिए फूड इंस्पेक्टर डॉ। राजा कुमार के नेतृत्व में सात सदस्यीय टीम ने यह विशेष अभियान चलाया। टीम ने चिरकुंडा में सड़क किनारे टेंट लगाकर अवैध रूप से मिठाइयां तैयार करने वाले तीन बड़े कारोबारियों के ठिकानों पर दबिश दी। हैरानी की बात यह रही कि इतनी बड़ी मात्रा में मिठाई बनाने वाले इन तीनों दुकानदारों के पास खाद्य कारोबार से संबंधित कोई वैध लाइसेंस भी नहीं मिला। इन तीन दुकानों से जब्त की गई भारी खेप विभागीय कार्रवाई के दौरान टीम ने तीन अलग-अलग मिठाई निमार्ताओं के यहां से कुल 9 क्विंटल (900 किलोग्राम) मिलावटी लड्डू जब्त किए गए जबकि बाबूलाल शर्मा की दुकान से करीब 2 क्विंटल लड्डू जब्त किए गए। वहीं हरिवंश पांडेय की दुकान से करीब 5 क्विंटल लड्डू और हवाचंद मंडल की दुकान से करीब 2 क्विंटल लड्डू जब्त किए गए।

लड्डुओं को नष्ट करने के साथ ही टीम ने वहां मौजूद काजू बर्फी के नमूने भी संग्रहित किए हैं, जिन्हें लैब टेस्टिंग के लिए भेजा जा रहा है। विभाग की इस औचक कार्रवाई से स्थानीय मिठाई कारोबारियों और मिलावटखोरों के बीच अफरा-तफरी का माहौल देखा गया।

दोषी पाए जाने पर 5 लाख जुमार्ना और 6 महीने की जेल

कार्रवाई के संबंध में जानकारी देते हुए फूड इंस्पेक्टर डॉ। राजा कुमार ने बताया कि धनबाद उपायुक्त के निर्देश पर त्योहारों के मद्देनजर यह विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। चिरकुंडा में जिन दुकानों पर छापेमारी की गई, वहां खाद्य सुरक्षा मानकों का घोर उल्लंघन पाया गया है। प्रतिबंधित रंगों के इस्तेमाल और बिना लाइसेंस व्यापार करने को लेकर संबंधित कारोबारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत दोषी पाए जाने पर छह महीने तक की सजा और पांच लाख रुपये तक के जुमार्ने का प्रावधान है।

पुलिस बल की मौजूदगी में हुई छापेमारी

इस बड़े सुरक्षा अभियान में फूड इंस्पेक्टर डॉ। राजा कुमार के साथ चंदन साहू, नैना नायक, राहुल कुमार पासवान, शुभम, राहुल कुमार और चंद्रदेव गंझू समेत अन्य विभागीय कर्मी शामिल थे। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए चिरकुंडा पुलिस की टीम ने भी इस कार्रवाई में पूरा सहयोग किया। त्योहार से ठीक पहले हुई इस सख्त कार्रवाई ने मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचने वालों को कड़ा संदेश दे दिया है।

श्री केंद्रीय दुर्गा पूजा महासमिति ने खुला मंच व्हाट्सएप ग्रुप को किया सम्मानित

शोभायात्रा के भव्य स्वागत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने किया सम्मानित

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : श्री केंद्रीय दुर्गा पूजा महासमिति पलामू के तत्वावधान में मंगलवार को शहर थाना परिसर में पारितोषिक वितरण सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शोभायात्रा के भव्य स्वागत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए खुला मंच व्हाट्सएप ग्रुप को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। समारोह में पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी के हाथों मंच के वरिष्ठ सदस्य अविनाश देव एवं मंच के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी नवीन तिवारी को संयुक्त रूप से पगड़ी पहनाकर एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया।



महासमिति के अध्यक्ष दुर्गा जौहरी ने खुला मंच की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों में मंच हमेशा अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। समाज के प्रति उसकी सक्रियता और सहभागिता सराहनीय है।

इस सम्मान पर मंच के अध्यक्ष नवदीप सिंह ऋषि, एडमिन रजनीश सिंह, कोषाध्यक्ष राहुल मिश्रा, रितेश कुमार, विनीत सिंह, अमर सहाय, अरविंद अग्रवाल, नीरज राज, हिमांशु शेखर, अमित सिन्हा, संतोष कुमार सहित मंच के सभी सदस्यों ने श्री केंद्रीय दुर्गा पूजा महासमिति के प्रति आभार व्यक्त किया।

पलामू में डायन बोलकर विधवा को किया प्रताड़ित, आरोपी के खिलाफ एफआईआर

संवाददाता

पलामू : जिला के छतरपुर थाना क्षेत्र में अंधविश्वास में एक महिला को प्रताड़ित किया गया। महिला को डायन बताकर उसे भरे समाज में प्रताड़ित किया गया और जुमार्ना भी लगाया गया। महिला ने जमीन बेचकर जुमार्ना की राशि चुकाई है।

विधवा महिला ने मंगलवार को पूरे मामले में छतरपुर थाना को आवेदन दिया है। जिसके बाद छतरपुर थाना की पुलिस ने गंभीर धाराओं में प्राथमिक की दर्ज किया। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

छतरपुर थाना क्षेत्र के सडमा गांव के रहने वाले कमलेश भूइयां नामक व्यक्ति झाड़ फूंक करता है। कुछ दिन पहले गांव के एक व्यक्ति की तबीयत खराब हो गई और बाद में उसकी मौत हो गई। झाड़-फूंक करने वाले कमलेश भुइयां ने उस शख्स की मौत का कारण विधवा महिला को बताया।



इसके बाद विधवा महिला पर रिश्तेदारों और समाज के कुछ लोगों ने दबाव बनाया और भूत उतारने के नाम पर पैसे की मांग की।

इसके बाद में महिला ने सामाजिक और पारिवारिक दबाव में जमीन बेचकर एक लाख रुपया भरा। इस दौरान महिला को खाने पीने की कई सामग्री का भी वहन करना पड़ा। इस घटना के बाद से महिला को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था और कई आरोप लगाए जा रहे थे।

पूरे मामले में विधवा महिला छतरपुर थाना पहुंची और आरोपी के खिलाफ आवेदन दिया। छतरपुर थाना प्रभारी सौरव चौबे ने बताया कि पुलिस पूरे मामले में छानबीन कर रही है आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्राथमिक की की गई है और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

पारितोषिक वितरण सह सम्मान समारोह आयोजित पूजा समितियों एवं सहयोगियों को किया गया सम्मानित

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : दुर्गा पूजा केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, आपसी सौहार्द और सामूहिक सहभागिता का भी प्रतीक है। इसी भावना को सम्मान देने के उद्देश्य से मंगलवार को श्री केंद्रीय दुर्गा पूजा महासमिति, पलामू की ओर से शहर थाना परिसर में पारितोषिक वितरण सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह में विगत दुर्गा पूजा को सफल एवं शांतिपूर्ण बनाने में योगदान देने वाली विभिन्न पूजा समितियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। वहीं पुष्पवर्षा, श्रद्धालुओं के लिए जलपान एवं अन्य व्यवस्थाओं में सहयोग करने वाले सामाजिक संगठनों, प्रशासनिक पदाधिकारियों तथा प्रेस-मीडिया के प्रतिनिधियों को ट्रॉफी एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पलामू के पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी उपस्थित रहे। इनके अलावा सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय पांडेय, पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी राजेश यादव, शहर थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार, यातायात प्रभारी रुद्रानंद सरस, बिजली विभाग के सहायक अभियंता अवधेश बक्शी, नगर निगम के पदाधिकारी मोहम्मद इश्तियाक एवं महासमिति के संरक्षक अविनाश देव मौजूद रहे।

पंडाल निर्माण की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार जय मां जगदंबे क्लब जीएलए कॉलेज, सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति हाउसिंग कॉलोनी एवं जीनियस क्लब बैरिया को मिला। द्वितीय पुरस्कार बाल समाज कनीराम चौक, सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति ठाकुरबाड़ी रेडमा एवं जनता सेवक संघ अस्पताल चौक को दिया गया। तृतीय पुरस्कार जय दुर्गे संघ गुरुद्वारा, शांति विकास संघ अघोर आश्रम एवं सम्राट क्लब आबिदगंज को मिला।

पंडाल एवं मूर्ति श्रेणी में सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति साहित्य समाज चौक को प्रथम, मां भगवती दुर्गा पूजा समिति एल्यूमिनियम फैक्ट्री को द्वितीय तथा नवयुवक संघ जेलहाता को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं विद्युत सज्जा में जय भवानी संघ मेन बाजार, मां शेरावाली क्लब रेडमा एवं लक्ष्मी नारायण मंदिर नवा टोली को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस दौरान श्री केंद्रीय दुर्गा पूजा महासमिति पलामू के संरक्षक अविनाश देव, अध्यक्ष दुर्गा जौहरी, उपाध्यक्ष नवीन तिवारी, सचिव ललन सिन्हा, सतीश तिवारी, अनील दूबे, संजय राज, हरिशंकर सिंह, सतीश पाण्डेय विवेक चौबे, जितेन्द्र सोनी, प्रेम शंकर गुप्ता, संजय पासवान,ललन सिंह, रामनारायण प्रसाद, पप्पू गुप्ता, लक्ष्मी नारायण प्रसाद सहित विभिन्न पूजा समितियों के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

महासमिति ने दुर्गा पूजा को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी पूजा समितियों, सामाजिक संगठनों, प्रशासन, पुलिस, निगम, बिजली विभाग एवं मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह ने यह संदेश दिया कि सामूहिक सहयोग और आपसी समन्वय से ही शहर की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूती मिलती है।

उपायुक्त ने किया छठ घाटों का निरीक्षण, दीपावली से पूर्व सभी तैयारियां पूर्ण करने का निर्देश

रामगढ़ : उपायुक्त ऋतुराज ने मंगलवार को रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया गया। इस क्रम में उन्होंने कैथा प्राचीन शिव मंदिर के समीप स्थित तालाब का भ्रमण कर छठ महापर्व की तैयारियों एवं चल रहे कार्यों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी छठ घाटों पर तैयारियां युद्धस्तर पर पूर्ण की जाएं तथा दीपावली से पूर्व सभी आवश्यक कार्य संपन्न कर लिए जाएं, ताकि छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उन्होंने घाटों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, चेंजिंग रूम, जलाशयों में सुरक्षा हेतु बैरिकेडिंग एवं सुगम आवागमन के लिए रास्तों सहित सभी आवश्यक आधारभूत सुविधाएं समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

साथ ही उपायुक्त ने निर्देश दिया कि शुक्रवार को रामगढ़ नगर परिषद एवं रामगढ़ छावनी परिषद क्षेत्र के छठ घाटों की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। इसके लिए दोनों निकायों के संबंधित पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में किए गए कार्यों का अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन के साथ उपस्थित रहेंगे।

निरीक्षण के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष कुसुमलता कुमारी, उपाध्यक्ष रंधीर कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी अजमल हुसैन, नगर प्रबंधक राजीव रंजन एवं मेघनाथ चौधरी तथा सफाई पर्यवेक्षक रोशन कुमार उपस्थित थे।

गिरिडीह और हजारीबाग में बीजेपी का कांग्रेस के खिलाफ हल्लाबोल

संवाददाता

गिरिडीह/हजारीबाग: भाजपा द्वारा 'लोकतंत्र बचाओ भीड़तंत्र हटाओ' पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के अलावा भाजपा नेता अमर बाउरी समेत कई शामिल हुए। यात्रा के तहत भाजपा नेताओं ने पूरे शहर का भ्रमण किया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि जब से नरेंद्र मोदी पीएम बने हैं, तब से लेकर अभी तक प्रधानमंत्री को लगातार गालियां देना, इस देश को बदनाम करने, इस देश को कमजोर करने का हरेक हथकंडा कांग्रेस अपना रही हैं।

कांग्रेस का काम नाटक करनाः आदित्य साहू

जहां तक एसआईआर प्रकिया की बात हैं, तो इस प्रकिया में कांग्रेस के लोग शामिल होते हैं, फिर इस प्रक्रिया को बदनाम भी करते हैं। वैसे कांग्रेस के कार्यकाल में भी एसआईआर प्रकिया हो चुकी हैं। जब चुनाव आयोग संविधान के तहत कार्य किया जा रहा हैं, तो कांग्रेस नाटक करने का काम कर रही हैं। कांग्रेस के साथ विपक्ष के लोग चाहते हैं कि जो विदेशी हैं, वह यहां का मतदाता बने रहे। जब ऐसे घुसपैठियों की छटनी हो रही हैं, तो विपक्ष चुनाव आयोग को बदनाम करने में जुटी हैं।

कांग्रेस पर देश विरोधी व्यवहार का आरोप

कांग्रेस को लगता हैं कि पीएम के पद पर सिर्फ नेहरू परिवार के लोगों को बैठने का अधिकार हैं। इन्हें यह पसंद नहीं की एक गरीब मां-बाप का बेटा कैसे इस देश का प्रधानमंत्री बना है। ये लोग पीएम के दिवंगत माता-पिता तक को 'गाली' दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के इस देश विरोधी व्यवहार पर लोगों में काफी गुस्सा हैं और पूरे देश में इसका



विरोध हो रहा हैं। लोग साफ कह रहे हैं कि पीएम को बदनाम करना बंद करों अन्यथा राहुल गांधी, प्रियंका गांधी को इस देश से छोड़कर भागने के लिए जनता मजबूर करेगी।

इससे पहले पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी ने कहा एक नवंबर की रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि 13 करोड़ मतदाता का नाम एसआईआर में काटा गया है। यह पूरी तरह से बेबुनियाद और लोगों को भ्रमित करने वाला बयान हैं। दरअसल, जिस 13 करोड़ का आंकड़ा कांग्रेस दे रही हैं, उसकी सच्चाई यह हैं कि 13 करोड़ में से 6।25 करोड़ मतदाता तो एक स्थान से दूसरे स्थान पर शिफ्ट किए हैं।

पदयात्रा में पूर्व विधायक निर्भय शाहबादी, विनय सिंह, मुकेश जालान, दिनेश यादव, रंजीत राय, महेंद्र वर्मा, कामेश्वर पासवान, संजीव सिंह, संजीत सिंह, शालिनी वैशाखियार, मिथुन चन्द्रवंशी समेत कई नेता मौजूद रहे।

भ्रम फैला रही है कांग्रेसः केंद्रीय मंत्री

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस देश में अराजकता फैलाना चाहती है। उसके खिलाफ पूरे देश की जनता इन दिनों सड़कों पर है। यह साफ संदेश देना चाहती है कि कांग्रेस देशभर में भ्रम फैला रही है। देश के लोगों को कांग्रेस पर विश्वास नहीं है। कुछ लोग कांग्रेस के साथ विदेशी शक्ति के साथ टूल किट बनकर काम कर रहे हैं। कांग्रेस की ओर से संवैधानिक संस्था पर सवाल खड़ा किया जा रहा है। कांग्रेस जहां से चुनाव जीतती है, वहां सब कुछ ठीक है बोलती है। जहां हारती है, वहां से गड़बड़ होने का आरोप लगाती है, जो उसके दोहरे चरित्र को दिखाता है।